डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

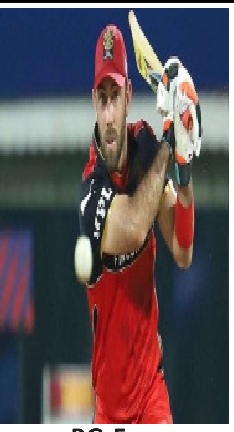

PG-5

PG-8

सिनेमाः आजमा फलाह का सिक्योरिटी गार्ड पर आया दिल

वर्ष -08 अंक -51 प्रयागराज, गुरूवार 28 अप्रैल, 2022 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

भारत की विकास गाथा का हिस्सा बनें निवेशक

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वैश्विक निवेशकों को भारत की विकास गाथा का हिस्सा बनने का न्योता दिया है। अमेरिका में यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल और सीआइआइ की तरफ से आयोजित बिजनेस राउंडटेबल बैठक को संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा कि तमाम व्यवधानों के बावजूद भारत वर्ष 2023 में दुनिया का सबसे तेज गति से विकास करने वाला देश होगा और विकास की यह गति आगे भी कायम रहेगी। उनके इस आह्वान पर वहां मौजूद दुनिया के बड़े निवेशक और उद्यमियों ने उन्हें निवेश का भरोसा दिया। निवेश को लेकर वित्त मंत्री के साथ बातचीत में मुख्य रूप से क्लीन एनर्जी, सेमीकंडक्टर, ग्रीन स्टील, वेस्ट टू एनर्जी एवं कार्बन कैप्चर क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों ने निवेश की दिलचस्पी दिखाई। वित्त मंत्री विश्व बैंक व आइएमएफ की बैठक में हिस्सा लेने अमेरिका गई हुई हैं। इस मौके पर स्टारवुड एनर्जी के सीईओ हिमांशु सक्सेना ने कहा कि हमलोग भारत के अगले चरण के विकास में भागीदारी के लिए तैयार हैं। ब्रूम एनर्जी के सीईओ केआर श्रीधर ने कहा कि अमेरिका अपनी एडवांस तकनीक के साथ भारत में एनर्जी सुरक्षा के लिए काम करने को तैयार है। सेमीकंडक्टर सेक्टर के उद्यमियों ने भी भारत में निवेश व तकनीकी साझेदारी को लेकर दिलचस्पी दिखाई।

यमन में हाउती विद्रोहियों से सात भारतीय नाविकों को छुड़ाया गया

नई दिल्ली। यमन में हाल ही में हाउती विद्रोहियों से बचाए गए सात भारतीय नाविकों ने उन्हें सुरक्षित रूप से भारत वापस लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार का आभार व्यक्त किया। सात भारतीय उन 14 विदेशियों में शामिल थे, जिन्हें दो जनवरी को लाल सागर में संयुक्त अरब अमीरात के झंडे वाले व्यापारी पोत रवाबी को हाउती विद्रोहियों द्वारा बंदी बना लिया गया था विदेश मंत्रालय ने कहा कि नाविकों को रविवार को हाउती नियंत्रित यमनी राजधानी सना से ओमान की सहायता से मुक्त किया गया। वे ओमान की राजधानी मस्कट से भारत पहुंचे, जहां उन्हें ओमान की रायल एयर फोर्स से संबंधित एक विमान में स्थानांतरित किया गया। बचाए गए नाविकों में से एक मोहम्मद मुनवर समीर शेख ने बताया कि हम लगभग साढ़े तीन महीने से वहां फंसे हुए थे।

कोरोना को लेकर अलर्ट केंद्र सरकार, पीएम मोदी आज करेंगे सभी मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक

नई दिल्ली। देश में बीते कुछ दिनों से कोरोना के मामलों में लगातार इजाफा देखने को मिला है। कुछ राज्यों में तो कोरोना के मामले तेजी से बढ़े हैं। कोरोना संक्रमण पर मोदी सरकार लगातार नजर बनाए

हुए हैं। केंद्र सरकार इसको लेकर अलर्ट पर है। इसी सिलसिले में पीएम नरेन्द्र मोदी आज अहम बैठक करने वाले हैं। पीएम मोदी देश के सभी मुख्यमंत्रियों के साथ आज दोपहर बैठक करेंगे। ये बैठक वर्चुअली होगी। पीएमओ ने बताया कि ये बैठक दोपहर करीब 12 बजे होगी। मोदी के अलावा इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया भी शामिल होंगे। सूत्रों के मुताबिक, स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण कोरोना की वर्तमान स्थिति, टीकाकरण के विस्तार, बूस्टर डोज और कुछ राज्यों में कोरोना के मामलों को लेकर प्रेजेंटेशन देंगे। पीएम मोदी ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी है। मोदी ने ट्वीट कर कहा कि वह बुधवार दोपहर 12 बजे राज्य के मुख्यमंत्रियों के साथ बातचीत करेंगे और कोरोना की स्थिति की समीक्षा करेंगे। बता दें कि जमीनी हालात को समझने के लिए पीएम मोदी पहले भी मुख्यमंत्रियों और जिलाधिकारियों के साथ कई बैठकें कर चुके हैं। बता दें कि मंगलवार को देश में कोरोना के 2,483 नए मामले सामने आए थे। देश में एक्टिव केस अभी 15,636 हो गए हैं। इसके अलावा पाजिटिविटी दर 0.55 फीसद हो गई है। वहीं, पीएम मोदी ने अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात के जरिए देश की जनता से अलर्ट रहने को कहा था। उन्होंने लोगों से मास्क पहनने और लगातार हाथ धोते रहने की अपील भी की थी। इसी बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि देश में 86 फीसद से ज्यादा वयस्कों का पूर्ण टीकाकरण किया जा चुका है।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ब्रिटेन के रक्षा खरीद मंत्री से की मुलाकात, द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने को लेकर चर्चा

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को ब्रिटेन के रक्षा खरीद मंत्री जेरेमी क्विन से बातचीत की। यह बातचीत विमानन और जहाज निर्माण जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर केंद्रित थी। राजनाथ ने ट्वीट किया कि ब्रिटेन के रक्षा

खरीद मंत्री जेरेमी क्विन के साथ एक शानदार बैठक हुई। हमने दोनों देशों के लिए विमानन, जहाज निर्माण और अन्य रक्षा औद्योगिक कार्यक्रमों से संबंधित क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों पर चर्चा का बीते सप्ताह भारत की अपनी यात्रा के दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जानसन ने घोषणा की थी कि ब्रिटेन रक्षा खरीद में नौकरशाही की भूमिका और आपूर्ति समय में कमी लाने के लिए भारत के लिए एक ओपन जनरल एक्सपोर्ट लाइसेंस (ओजीईएल) बना रहा है। उन्होंने कहा था कि लंदन स्वदेशी लड़ाकू विमानों सहित अन्य रक्षा उपकरणों के विकास में नई दिल्ली का सहयोग करेगा। वहीं पिछले दिनों भारत और अमेरिका के बीच हुए 22 मंत्रिस्तरिय वार्ता में दोनों देशों के बीच सुरक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग को और बढ़ावा देने पर चर्चा हुई।

देश में 24 घंटे में फिर बढ़े कोरोना के मामले

नई दिल्ली। भारत में कोरोना के बढ़ते मामले टेंशन बढ़ा रहे हैं। बीते 24 घंटे में कोरोना के मामलों में बड़ा इजाफा देखने को मिला है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में कोरोना के 2,927 नए मामले सामने आए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान 32 लोगों की मौत भी हुई है। देश में कोरोना से मरने

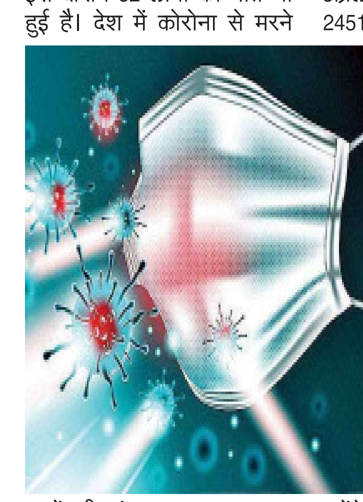

वालों की संख्या अब 5,23,654 हो गई है। इसके अलावा बीते 24 घंटे में कोरोना से 2,252 लोग ठीक भी हुए हैं। हालांकि, एक्टिव मामलों की संख्या में भी बढ़ोतरी देखने को मिली है। अभी कोरोना के 16,279 मरीजों का इलाज चल रहा है। अब तक कुल 4,25,25,563 लोग ठीक हो चुके हैं जबकि 4,30,65,496 लोग संक्रमित हो चुके हैं। बता दें कि ये लगातार आठवां दिन है जब कोरोना के दो हजार से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं। 19 अप्रैल को 2067, 20 अप्रैल को 2380, 21 अप्रैल को 2451 मामले, 22 अप्रैल को 2527, 23 अप्रैल को 2593, 24 अप्रैल को 2541 और 25 अप्रैल को देश में 2,483 नए मामले सामने आए थे। इसी बीच, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (घ्र्श्) ने बताया कि भारत में कल कोरोना वायरस के लिए 5,05,065 सैंपल टेस्ट किए गए। कल तक कुल 83,59,74,079 सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं। उधर, कोरोना के हालात को लेकर पीएम मोदी आज सभी मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक करेंगे। पीएमओ ने बताया कि ये बैठक दोपहर 12 बजे वर्चुअली होगी। स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण कोरोना की वर्तमान स्थिति, टीकाकरण के विस्तार, बूस्टर डोज और कुछ राज्यों में कोरोना के मामलों को लेकर प्रेजेंटेशन देंगे।

फेक एफआईआर दर्ज करने वाले पुलिस अधिकारी के खिलाफ खार पुलिस स्टेशन ने दर्ज की मेरी शिकायत

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (ँव्झ) के नेता किरीट सोमैया (खीग्र एदर्स्ीर्ब) मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज कराने खार पुलिस स्टेशन गए थे। नेता ने ट्वीट कर बताया

कि पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करने वाले पुलिस अधिकारी पर मामला दर्ज कर लिया गया है। भाजपा नेता ने कहा, 'मुझे मारने वाले गुंडों को बचाने के लिए यह आपराधिक साजिश है।'एक दिन पहले ही उन्होंने आरोप लगाया था कि 23 अप्रैल को शोषण मामले में मुंबई पुलिस मेरा एक फर्जी इर्ध् सर्कुलेट कर रही है। सोमवार शाम को सौमैया ने ट्वीट किया '23 अप्रैल को शोषण मामले में मुंबई पुलिस मेरा फर्जी इर्ध् सर्कुलेट कर रही है। बांद्रा पुलिस स्टेशन में 23 अप्रैल को मेरा प्राथमिकी रजिस्टर करने से इंकार कर दिया गया अब मैं कल खार पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराउंगा 23 अप्रैल को सोमैया ने मुंबई पुलिस पर उनकी शिकायत दर्ज करने से इंकार कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि शनिवार को खार पुलिस स्टेशन के बाहर उनपर शिवसेना के सदस्यों ने हमला कर दिया था। उल्लेखनीय है कि खार पुलिस स्टेशन में राणा दंपत्ति से मिलने गए भाजपा नेता और मुंबई के पूर्व सांसद किरीट सोमैया पर पथराव हुआ था जिसके लिए सोमैया ने शिवसेना को कसूरवार ठहराया है। गिरफ्तार की गई निर्दलीय सांसद नवनीत राणा और उनके विधायक पति रवि राणा ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के आवाज मातोश्री के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने की बात कही थी। इसके बाद ही दंपति को हिरासत में ले लिया गया।

प्रशांत किशोर ने किया कांग्रेस में निचले स्तर तक संगठन में बदलाव की तरफ इशारा ठुकराया पार्टी में शामिल होने का आफर

नई दिल्ली। प्रशांत किशोर को कांग्रेस के शामिल करने के मुद्दे पर फिलहाल अब विराम लग गया है। उन्होंने पार्टी में शामिल होने से इनकार कर दिया है। इसकी पुष्टि न सिर्फ कांग्रेस के नेता रणदीप सुरजेवाला ने की है, बल्कि खुद प्रशांत किशोर ने भी ट्वीट कर की है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस को उनसे अधिक एक ऐसे नेतृत्व की जरूरत है, जो साझा प्रयास के जरिए पार्टी की आंतरिक समस्याओं को हल कर उसको दोबारा जमीन से जुड़ने में मदद कर सके। इसके लिए पार्टी को बड़े बदलाव या ट्रांसफार्मेशनल रिफार्म की जरूरत होगी। प्रशांत किशोर ने अपने ट्वीट में कहा है कि उन्होंने कांग्रेस से मिले उस आफर को ठुकरा दिया है, जिसमें उनसे पार्टी ज्वाइन करने की अपील की गई थी। उनके मुताबिक, उन्हें एंपावर्ड एक्शन गुरूप की जिम्मेदारी दी गई थी, जिसमें चुनाव को लेकर रणनीति तैयार करनी थी प्रशांत किशोर का कहना है कि वो मानते हैं कि पार्टी में सुधार की जरूरत

है। गौरतलब है कि बीते करीब 15 दिनों से प्रशांत किशोर और कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के बीच बैठकों का लंबा दौर चला था। ये बैठकें 2024 में होने वाले आम चुनाव में पार्टी को आगे बढ़ाने के मकसद से हुई थीं। प्रशांत किशोर ने इसके लिए एक डिटेल प्रजेंटेशन भी पार्टी के सामने रखा था। बता दें कि पिछले वर्ष अक्टूबर में लखीमपुर खीरी मामले के दौरान प्रशांत किशोर ने कहा था कि लोग विपक्ष की तरफ टकटकी लगाकर देख रहे हैं, जिसको वर्षो पुरानी कांग्रेस पार्टी लीड कर रही है। हालांकि, इससे पहले पार्टी को अपने जड़ों में जाकर समस्याओं को सुलझाना होगा और अपनी कमजोरियों को दूर करना होगा। उनका कहना था कि कांग्रेस के ऊपर लोगों की नजरें हैं, लेकिन लोगों को यहां पर निराशा ही मिली। अफसोस की बात है कि इतनी पुरानी पार्टी में अपनी कमजोरी और समस्याओं को दूर करने के लिए कोई सोल?यूशन ही नहीं था।इससे पहले रणदीप सुरजेवाला ने कहा था कि पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने एक एपवार्ड एक्शन गुरूप 2024 का गठन किया है और प्रशांत किशोर को पार्टी ज्वाइन करने का आफर दिया था, जिसको उन्होंने ठुकरा दिया। सुरजेवाला ने ये भी कहा कि प्रशांत किशोर के दिए प्रजेंटेशन के बाद ही सोनिया गांधी ने इसका गठन किया था। एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि किशोर ने अपनी प्रजेंटेशन में सुझाव दिया था कि कांग्रेस को यूपी समेत बिहार ओडिशा में अकेले अपने दम पर मैदान में उतरना चाहिए और तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में दूसरे दलों से समझौता करना चाहिए। इस पर राहुल गांधी भी तैयार थे। आपको बता दें कि हाल ही में हुए पांच विधानसभा चुनाव परिणामों में मुंह की खाने के बाद कांग्रेस ने प्रशांत किशोर से संपर्क किया था। इन परिणामों ने कांग्रेस को जबरदत झटका दिया था।

केंद्रीय विद्यालयों से कोटा राज खत्म, पीएम मोदी की पहल पर लिया गया बड़ा फैसला

नई दिल्ली।केंद्रीय विद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए केंद्र सरकार ने इनमें लागू कोटा प्रथा को लगभग समाप्त कर दिया है। इस फैसले के तहत जो कोटे खत्म किए गए है, उनमें

सांसदों, शिक्षा मंत्रालय के कर्मचारियों, केंद्रीय विद्यालयों के सेवानिवृत्त कर्मचारियों और स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सहित प्रवेश से जुड़े करीब दर्जन भर कोटे शामिल है। इसके साथ ही केंद्रीय विद्यालयों में इस कोटे से हर साल भरी जाने वाली करीब चालीस हजार सीटें भी मुक्त हो गई है। इनमें अकेले करीब आठ हजार सीटें सांसदों की सिफारिश से भरी जाती थी। प्रत्येक सांसद को दस सीटों का कोटा दिया गया था। खासबात यह है कि केंद्रीय विद्यालयों में विशेष कोटे से भरी जाने वाली यह सीटें इन स्कूलों में निर्धारित क्षमता के अतिरिक्त होती थी। ऐसे में इस प्रवेश से केंद्रीय विद्यालयों की गुणवत्ता सहित छात्र - शिक्षण अनुपात सहित कई तरह के मानक भी प्रभावित हो रहे थे। हालांकि इस स्थिति के बाद भी यह मामला सांसदों सहित मंत्रालय आदि से जुड़ा होने के चलते कोई भी इसमें हाथ डालने से बच रहा था। आखिरकार प्रधानमंत्री ने इसमें दखल दी और कोटे की इस प्रथा को खत्म करने के लिए कहा। इसके बाद सबसे पहले शिक्षा मंत्री ने खुद अपने कोटे को खत्म किया और पिछले साल ही अपने कोटे से एक भी प्रवेश नहीं दिया। साथ ही केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) को प्रवेश से जुड़े विशेष कोटे की नए सिरे से समीक्षा करने के निर्देश दिए। पीएम की इस पहल और शिक्षा मंत्री के निर्देश के बाद केवीएस ने पिछले दिनों ही इस कोटे पर रोक लगा थी। साथ ही पूरे कोटे की समीक्षा करने का फैसला लिया था।

तंजावुर में रथ यात्रा के दौरान करंट लगने से 11 लोगों की मौत

तंजावुर। तमिलनाडु के तंजावुर जिले में दर्दनाक हादसा हुआ है। कालीमेडु में अप्पर मंदिर की रथ यात्रा के दौरान कई लोग हाई वोल्टेज तार की चपेट में आ गए। करंट लगने से 11 लोगों की मौत

हो गई है। हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं। घायलों को तंजावुर मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। पीएम मोदी और राज्य के सीएम ने घटना पर दुख जताया है। पुलिस ने बताया कि मृतकों में कुछ बच्चे भी शामिल हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। ये हादसा उस वक्त हुआ जब बुधवार तड़के रथ यात्रा निकाली जा रही थी। रथ यात्रा के दौरान आसपास के गांवों से कई श्रद्धालु आए हुए थे। पुलिस और प्रत्यक्षदशिर्यों ने बताया कि रथ एक मोड़ से गुजर रहा था। इसी दौरान रथ पर खड़े लोग एक हाई वोल्टेज तार की चपेट में आ गए।करंट की चपेट में आने से रथ पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। राहत और बचाव कार्य जारी है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है। इस घटना पर पीएम मोदी ने भी गहरा शोक जताया है। पीएम ने ट्वीट कर मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए मुआजवे का भी एलान किया है। पीएम ने कहा, 'तमिलनाडु के तंजावुर में हुए हादसे से गहरा दुख हुआ। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। मुझे उम्मीद है कि घायल लोग जल्द ठीक हो जाएंगे।' पीएम ने आगे कहा कि हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। तामिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे का एलान किया है। मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा।

थाना थरवई में चार महिला एक पुरुष की निर्मम हत्या से मानवता शर्मसार हुई

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। सपा प्रतिनिधि मंडल ख़ेवराजपुर गाँव पहुँचकर पीडितों से मिला , निधि यादव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष समाजवादी महिला सभा एवं प्रवक्ता समाजवादी पार्टी ने घटना पर छोभ , दुःख व्यक्त करते हुए कहा की सरकार महिलाओं , बेटियों की सुरक्षा करने में नाकाम है प्रतिनिधिमंडल में सर्व श्री दुर्गा प्रसाद विधायक ,पूर्व मंत्री पूर्व एम एल सी बासुदेव यादव,राम बृक्ष यादव , विधायक गीता पासी , पूजा पाल शामिल रहे । मौक़े पर विधायक विजमा यादव ,योगेश यादव , पूर्व प्रमुख अनिल यादव , अमरनाथ मौर्य , महबूब उस्मानी सहित बड़ी संख्या में जनसमुदाय उपस्थित रहा । हत्यारों को जल्द गिरफ़्तार करने , सी बी आई जाँच ,पीडित को एक करोड़ मुआवज़ा ,सरकारी नौकरी की माँग सरकार से की गई ।

फूलपुर में क्षेत्र पंचायत सदन की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। विकास खंड फूलपुर के सभागार में सोमवार को क्षेत्र पंचायत सदन की बैठक ब्लाक प्रमुख फूलपुर विपेंद्र सिंह पटेल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। सोमवार सुबह पूर्व सूचना के अनुसार क्षेत्र पंचायत सदन की बैठक सभागार में सुरू हुई जिसमे खंड विकास अधिकारी फूलपुर प्रवीणा नंद ने एजंडा पढ़ कर सुनाने के बाद पूर्व की कार्रवाई पढ़कर सुनाया चर्चा के दौरान खंड विकास अधिकारी ने ग्रामीण विकास योजनाओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की वही पशुचिकित्सा अधिकारी डाक्टर ए के सिंह ने पशुपालन से होने वाले फायदे और उसकी उपयोगिता पर बल दिया। कृषि विभाग से उपस्थित किसान सहायक राम मूर्ति यादव ने कृषि संबंधित जानकारियां दी तो जेई हौसिला प्रसाद ने गहरी बोरिंग मध्यम बोरिंग के साथ तालाब के पानी और जल संरक्षण आदि पर जनप्रतिनिधियों को जानकारी देते हुए सहयोग मांगा। जिला पंचायत सदस्य सिद्ध नाथ मौर्य ने पौध रोपण और उसकी सुरक्षा को लेकर चर्चा की सदन की बैठक में बिजली विभाग,राजस्व विभाग और पुलिस विभाग सहित कई अन्य विभागों के अधिकारी के न आने पर लोगो ने नाराजगी व्यक्त

की सहायक विकास अधिकारी पंचायत गुलाब चंद्र पांडेय ने स्वच्छता पर बल देते हुए विस्तार पूर्वक चर्चा किया। अन्त में ब्लाक प्रमुख फूलपुर बीपेंस सिंह पटेल ने सदन को संबोधित करते हुए कहा की क्षेत्र का विकास हम सभी की जिम्मेदारी है सभी जनप्रतिनिधि फूलपुर क्षेत्र के विकास के लिए सहयोग प्रदान करे बैठक हाल का विस्तार और बड़ा बनवाने के लिए सर्व सम्मति से लोगो ने प्रस्ताव पारित किया इसके साथ ही सोलर लाइट,इंटर लेकिन और जल निकासी के लिए नालियों का प्रस्ताव सभी से मांगा गया। मौके पर पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष जगदीश कुमार गुप्ता,क्षेत्र पंचायत सदस्य हरिश चन्द पाल,सचिन मौर्य, दीप चंद्र यादव,राम आसरे यादव,प्रधान अमर सिंह पटेल,सुनील पटेल,अजीत पटेल ,भूलेश्वर नाथ तिवारी,अनिल मौर्य,फूलकली,महेंद्र पटेल,राम पदार्थ पटेल,समाज सेवी श्याम बाबू गुप्ता,जेई सचिदा नंद,प्रकाश पटेल,सहित बड़ी संख्या में ग्राम प्रधान वा क्षेत्र पंचायत सदस्य मौजूद रहे।

थरवई सामूहिक हत्याकांड

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। गंगापार इलाके के थरवई थाना क्षेत्र के खेवराजपुर गांव में शनिवार को हुए सामूहिक हत्याकांड के 24 घंटे बीतने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। पुलिस मामले का खुलासा करना तो दूर अभी तक कोई सुराग तक नहीं लग पाई है। वहीं परिवार के बचे एक मात्र पुरुष सदस्य पीडित सुनील यादव ने इस जघन्य हत्या कांड के खुलासे के लिए सीएम योगी से सीबीआई जांच की मांग की है। सुनील ने कहा है कि वह उसके परिवार के पांच लोगों की नृशंस हत्या कर दी गई है। लिहाजा वह सीएस योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर अपनी बात रखना चाहता है। सुनील ने हत्याकांड के पीछे अपनी पतनी के एक प्रेमी पर भी शक जताया है। उसका कहना है कि कुछ महीने पहले उसने परिवार की हत्या की धमकी दी थी।वहीं पुलिस द्वारा रेप की धाराएं न लगाए जाने पर भी सुनील यादव ने सवाल खड़ा किया है। उसके मुताबिक घटना के बाद जब वह मौके पर पहुंचा तो उसकी पत्नी और बहन के शरीर पर कपड़े नहीं थे। इसलिए उसने रेप की आशंका जताई है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर में गंभीर चोट लगने से पांचों की मौत होने की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही पुलिस ने रेप की पुष्टि के लिए वैजाइनल स्लाइड और वैजाइनल स्वाब जांच के लिए एफ एस एल लैब भेजा है। पीडित के मुताबिक कुछ वर्ष पूर्व उसकी पत्नी से मायके पक्ष के एक लड़के से बात होती थी। जिस पर भी उसने शक जताया है। इसके साथ ही जिस दूध वाले पर सुनील यादव ने कल शक जताया था, पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

मुकेश गुप्ता के इफ्तार में जुटे सैकड़ों रोजेदार

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। जहां एक ओर प्रदेश में अजान और हनुमान चालीसा का विवाद खड़ा करके लोग हिंदू मुस्लिम के बीच खाई खड़ी करके अपने राजनीतिक रोटी सेक रहे हैं। वहीं ग्रामीण परिवेश में मैलहन बाजार के मुकेश गुप्ता जो टायर पंचर बनाने का काम करता है। बीती शाम को मदरसा अनवारूल उलूम प्रांगण में गांव के सैकड़ों मुस्लिम रोजेदारों को इफ्तार कराकर प्रेम भाईचारा एवं सौहार्द की मिसाल पेश की है। जबकि सामान्य ढंग से रोजा मुस्लिम भाइयों का महत्वपूर्ण त्यौहार है। इस पूरे महीने भूखा प्यासा रहकर खुदा की इबादत में लगे रहना पूरे वर्ष भर की नेकी कमाने तथा गुनाहों की माफी का जरिया है। ऐसे में मुस्लिम बंधु इफ्तार पार्टी में अपने हित परिचई संबंधी को बुलाकर इफ्तार पार्टी करते चले आए हैं। परंतु इस बार मुकेश गुप्ता ने अपने खर्च से अफ्तारी बनवाकर भूखे प्यासे की दुआ और रोजे का सवाब लूटने का काम किया है। इसी प्रकार ईद के दिन ग्रामीण परिवेश में तमाम हिंदू भाई अपने मुस्लिम दोस्त यार के यहां ईद मिलने और सेवई खाने अर्सा से आते रहे हैं। पता नहीं कौन एलिमेंट है। जो इस गंगा जमुनी तहजीब को मिटाना चाहते हैं।

पशु शवच्छेदन औद्योगिक उत्पादन सहकारी समिति होगी गठित

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी विनोद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पशु शवच्छेदन औद्योगिक उत्पादन सहकारी समिति के गठन हेतु 2022-23 का लक्ष्य जिला ग्रामोद्योग कार्यालय को प्राप्त हुआ है। नई सहकारी समिति के गठन हेतु ग्राम प्रधान से सदस्यों का फोटो सहित निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, प्रधान से कारीगर होने का प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, शपथ पत्र, विकास खण्ड के कुल न्याय पंचायतों की संख्या नाम सहित आदि कागजातों की आवश्यकता होगी। विभाग से पंजीकृत सहकारी समितियों को जिला पंचायत से मृत पशुओं के निस्तारण हेतु ठेका वरीयता क्रम में पहले प्रदान किया जाता है। नई सहकारी समिति के गठन हेतु दिनांक 27 अप्रैल 2022 तक आवेदन कर सकते है। अधिक जानकारी हेतु कार्यालय से सम्पर्क स्थापित कर सकते है।

खेवराजपुर का नृशंस हत्याकांड मानव समाज पर कलंक है

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। एक ही घर के बेगुनाह परिवार के सो रहे लोगों की बर्बरतापूर्वक निर्मम हत्या मानव समाज को कलंकित करने वाली घटना है।उक्त कथन वाराणसी की पूर्व लोकसभा प्रत्याशी श्रीमती शालिनी यादव ने आज खेवराजपुर गांव में पीडित परिजनों से मिलने के दौरान कही।उन्होंने कहा कि सरकार के सामने इससे बड़ी कानून व्यवस्था की खुली चुनौती और कोई नहीं हो सकती।इस हत्याकांड में जिस बर्बरता से पत्थर इत्यादि से कूच कूच कर हत्या के साथ छोटी बच्ची व विकलांग युवती के शरीर को बुरी तरह क्षत-विक्षत किया गया,उससे हम सबके कलेजे दहल गए हैं।इससे प्रयागराज की पुलिस की कार्य कुशलता पर प्रशन चिन्ह खड़ा हो गया है,क्योंकि ऐसी घटनाएं यहां कई बार हो चुकी है श्रीमती यादव ने कहा कि शीघ्र ही अपराधियों को पकड़ कर पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला तो हम सब आंदोलन के लिए बाध्य हो जाएंगे। वरिष्ठ सामाजिक

नेता डॉ अंकित यादव ने चेताया कि इस तरह की घटनाएं समाज में भय पैदा कर रही है जिसके लिए सरकार को कड़े कदम उठाना चाहिए इसके पहले श्रीमती शालिनी यादव के प्रतिनिधिमंडल ने इस हत्याकांड में परिवार के सदस्य सुनील यादव व उनकी मामी शर्मिला यादव सहित अन्य परिजनों से मिलकर घटनाक्रम की विधिवत जानकारी ली। उन्होंने परिजनों द्वारा न्याय मांगे जाने पर उन्हें घटना के खुलासा का भरोसा देते हुए सरकार से मृतकों के परिजनों को ?50 लाख की आर्थिक सहायता और नौकरी देने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में श्रीमती शालिनी यादव के अलावा डॉ अंकित यादव,वीर सिंह यादव, अशर्फी लाल शास्त्री एवं मुननलाल यादव सिंह सहित अन्य लोग शामिल रहें।

पत्रकार अखिल नारायण सिंह एवं अधिवक्ता अनिल त्रिपाठी हुए सम्मानित

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जनपद के वरिष्ठ पत्रकार अखिल नारायण सिंह एवं अधिवक्ता अनिल प्रताप त्रिपाठी प्रवात को सुल्तानपुर के एक मानव ट्रस्ट ने सम्मानित किया है। पालघर महाराष्ट्र में माब लिंचिंग में मारे गए संत कल्पवृक्ष गिरीजी एवं संत सुशील गिरीजी महाराज व उनके ड्राइवर नीलेश तेलगडे की पुण्यतिथि पर सुशील गिरीजी की विधवा माँ ने धर्म उत्थान एवं मानव सेवा न्यास द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन के क्रम में प्रतापगढ़ के वरिष्ठ पत्रकार अखिल नारायण सिंह एवं अधिवक्ता अनिल प्रताप त्रिपाठी प्रवात को ट्रस्ट की अध्यक्ष सपना मिश्रा ने त्रिपाठी निकेतन में इन दोनों लोगों को सम्मानित किया।

उद्यमियों को दिया जाएगा राष्ट्रीय एमएसएमई पुरस्कार

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। एमएसएमई विकास संस्थान प्रयागराज के सहायक निदेशक द्वारा अवगत कराया कि उद्यमियों को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा एमएसएमई मंत्रालय भारत सरकार द्वारा एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) इकाईयों हेतु ''राष्ट्रीय एमएसएमई पुरस्कार-2022'' योजना का लाभ मैन्यूफैक्चरिंग एवं सेवा क्षेत्र में उद्यमिता, तकनीकी रूप से दक्ष मैन्यूफैक्चरिंग उद्यमियों, निर्यात में मैन्यूफैक्चरिंग उद्यमियों, मैन्यूफैक्चरिंग एवं सेवा क्षेत्र की महिला, अनुसूचित जाति/जनजाति, दिव्यांग उद्यमियों को प्रदान किये जायेगें। इन पुरस्कार के अनतर्गत विजेता एमएसएमई इकाईयों को 3 लाख (प्रथम), 2 लाख (द्वितीय), 1 लाख (तृतीय) ट्राफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जायेगा। इन पुरस्कार हेतु इकाई के पास उद्यम रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट होना अनिवार्य है। इकाई एक से अधिक पात्र श्रेणियों में भी आवेदन कर सकती हैं। इसके साथ-साथ राज्य सरकार तथा वित्तीय संस्थान जो एमएसएमई के लिये क्रेडिट फ्लो से सराहनीय कार्य किया गया और एमएसएमई मंत्रालय की योजनाओं को राज्य स्तार पर बढ़ाने में उत्कृष्ट कार्य किया। उद्यमियों के लिये 44 अलग-अलग श्रेणी के पुरस्कार होगें। सामान्य श्रेणी में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम के साथ योग्यता व निर्यात के क्षेत्र की कम्पनी को भी पुरस्कार दिये जायेगें। पुरस्कारों हेतु आवेदन आनलाइन हाइपर लिंक द्वारा दिनांक 30 अप्रैल तक कर सकते है। राष्ट्रीय स्तर की विजेता एमएमएमई इकाइ्या पुरस्कार के प्रतीक चिन्हों को अपने कर्मचारियों की ड्रेस, लोगो, लेटर हेड, विज्ञापन एवं अन्य विशिष्ट बैजेज पर अंकित कर गौरवान्वित हो सकती है। विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालय के फोन नम्बर 0532-2697468 तथा सहायक निदेशक संजय कुमार मोबाइल नम्बर 9867724191 पर सम्पर्क कर सकते है।

साहित्यकार/रचनाकार आर्थिक सहायता का उठायें लाभ- जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने बताया कि उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान हिन्दी भाषा के प्रचार प्रसार के अतिरिक्त साहित्यकारों के कल्याण हेतु अनेक योजनायें संचालित करता है। संस्थान आर्थिक रूप से विपन्न साहित्यकारों को साहित्यकार कल्याण कोष योजना अन्तर्गत आर्थिक सहायता तथा प्रकाशन अनुदान योजना अन्तर्गत रचनाकारों को उनकी पाण्डुलिपि के मुद्रण/प्रकाशन हेतु प्रकाशन अनुदान प्रदान करता है। उन्होने साहित्यकार कल्याण कोष योजनान्तर्गत बताया है कि संस्थान द्वारा इस योजना अन्तर्गत 60 वर्ष से अधिक आयु के विषम आर्थिक स्थिति ग्रस्त या रूग्ण ऐसे साहित्यकारों को जिनकी वार्षिक आय (समस्त स्रोतों से) रूपये 5 लाख से अधिक नही है उन्हें अधिकतम रूपये 50 हजार अनावर्तक आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।प्रकाशन अनुदान योजनान्तर्गत संस्थान द्वारा ऐसे रचनाकारों को जिनकी वार्षिक आय समस्त स्रोतों से रूपये 5 लाख से अधिक नही है। कुल प्रकाशन पर होने वाले व्यय का तीन चौथाई भाग जो रूपये 30 हजार से अधिक नही होगा। उनकी पाण्डुलिपि के मुद्रण/प्रकाशन हेतु प्रकाशन अनुदान प्रदान किया जाता है। उन्होने बताया है कि जनपद के ऐसे साहित्यकार/रचनाकारों के आवेदन सीधे निदेशक, उ0प्र0 हिन्दी संस्थान, राजर्षि पुरूषोत्तमदास टण्डन हिन्दी भवन, 6-महात्मा गांधी मार्ग, हजरतगंज लखनऊ-226001 को दिनांक 28 मई 2022 तक उपलब्ध करा सकते है। योजनाओं के विवरण एवं प्रार्थना पत्र का प्रारूप संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त प्रार्थना पत्र का प्रारूप जिला सूचना कार्यालय प्रतापगढ़ से भी प्राप्त कर सकते है। संस्थान की वेबसाइट है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। 5.आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। 8. अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 30 अप्रैल 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

माध्यमिक शिक्षा को गुणवत्तापरक बनाने को सरकार कटिबद्ध

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। शिक्षा व्यक्ति के व्यक्तित्व और मानव को अच्छा इंसान बनाती है।शिक्षा से व्यक्ति में ज्ञान, उचित आचरण, तकनीकी दक्षता, कौशल विकास, व्यापार, व्यवसाय एवं मानसिक, नैतिक, भौतिक आध्यात्मिक सौन्दर्य उत्कर्ष का ज्ञान होता है। उत्तर प्रदेश सरकार इन्हीं उद्देश्यों को पूरा करने के लिए शिक्षा को गुणवत्ता परक बनाने के लिए कटिबद्ध है।शिक्षा से समाज के आधारभूत नियमों, व्यवस्थाओं, समाज के प्रतिमानों एवं मूल्यों का ज्ञान होता है। शिक्षा मनुष्य के शरीर, मन, आत्मा का सर्वांगीण एवं सर्वोत्कृष्ट विकास करती है तथा अन्तर्निहित क्षमता तथा उसके व्यक्तित्व को विकसित करने वाली प्रक्रिया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने माध्यमिक शिक्षा के सुधार पर विशेष बल दिया है। सरकार का मन्तव्य है कि बच्चे स्कूलों में मात्र प्रमाण पत्र/डिग्री न प्राप्त करें बल्कि वे अच्छा ज्ञान प्राप्त करें। छात्र-छात्राएं जब स्कूल कॉलेजों से ज्ञान प्राप्त करेंगे तो वे स्वतः अपने जीवन का ध्येय बनायेंगे और राष्ट्रीय विकास में सहभागी बनेंगे। आज के विद्यार्थी कल के देश निर्माणकर्ता हैं। सरकार ने शिक्षा के समस्त कार्यों को पारदर्शी बनाया है। माध्यमिक शिक्षा की बोर्ड परीक्षा सम्पादन एवं अन्य कार्यों में सुधार लाते हुए ऑनलाइन केन्द्र निर्धारण, ऑनलाइन पंजीकरण, ऑनलाइन मान्यता एवं ऑनलाइन डुप्लीकेट अंक पत्र/प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। प्रदेश में राजकीय, सहायता प्राप्त एवं वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों के माध्यम से यू0पी0 बोर्ड के अन्तर्गत कक्षा 6 से 12 तक के छात्र-छात्राओं के गुणवत्तापूर्ण पठन-पाठन की व्यवस्था है। संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 973 सहायता प्राप्त एवं 178 वित्तविहीन कुल 1151 संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों के माध्यम से छात्र-छात्राओं को संस्कृत की भी शिक्षा प्रदान की जा रही है। विद्यार्थियों की शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाने, उन्हें विद्यालयों में आकर पढ़ने और वास्तविक छात्र-छात्रा द्वारा ही बोर्ड की परीक्षा दी जाय। सरकार ने इस पर बल देते हुए कक्षा 9 और कक्षा 11 में पंजीकरण की व्यवस्था की है। इसके साथ-साथ छात्र-छात्राओं के शैक्षिक विवरणों के साथ ही उनके आधार नम्बर को भी ऑनलाइन अपलोड कराया गया है। प्रदेश सरकार की इस व्यवस्था से छात्र-छात्रा के फजी बोगस पंजीकरण का गलत उपयोग बन्द हो गया और इस पर प्रभावी अंकुश लगा है। परीक्षा केन्द्रों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सरकार ने परीक्षा केन्द्रों के निर्धारण को ऑनलाइन कर दिया। इससे नकल कराने वाले केन्द्रों पर प्रभावी अंकुश लगा। नकल माफियाओं पर लगाम लगाने के लिए केन्द्र निर्धारण के समय पूर्ण विवरण भरना होता है, इससे व्यवस्थाविहीन और अधोमानक के विद्यालय परीक्षा केन्द्र नहीं बन सके। सही मानकयुक्त परीक्षा केन्द्र होने से प्रदेश सरकार की राजस्व की भी बचत हुई और सुव्यवस्थित ढंग से परीक्षा की समय सारिणी बनाते हुए नकलविहीन परीक्षा सम्पन्न कराई गई है। उ0प्र0 बोर्ड की परीक्षा की सुचिता और निष्पक्षता बनाये रखने के लिए पूर्णतया नकलविहीन परीक्षा कराये जाने के उद्देश्य से प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की परीक्षाएं सी0सी0टी0वी0 की निगरानी में आयोजित कराई गई। इसके साथ ही इण्टरमीडिएट की प्रयोगात्मक परीक्षाएं भी सी0सी0टी0वी0 की निगरानी में पूर्णतया पारदर्शी तरीके से आयोजित कराई जा रही है। सी0सी0टी0वी0 के साथ ही वॉयस रिकार्डर की निगरानी तथा वेबकास्टिंग के माध्यम से पर्यवेक्षण निरीक्षण करने हेतु परीक्षा केन्द्रों में राउटर एवं हाईस्पीड इण्टरनेट भी लगाया गया है। परीक्षा की निगरानी हेतु समस्त तकनीकी आवश्यक सुविधाओं से युक्त प्रत्येक जनपदों में एक-एक मॉनीटरिंग सेल भी स्थापित किया गया है। शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार हेतु एन0सी0ई0आर0टी0 का पाठ्यक्रम अंगीकृत किया गया है। माध्यमिक शिक्षा परिषद के छात्र/छात्राओं का शैक्षिक स्तर देश के अन्य राज्य राष्ट्रीय स्तर के शैक्षिक बोर्डों के छात्र/छात्राओं के समकक्ष हो तथा उनमें भविष्य की प्रतियोगी परीक्षाओं का सामना करने की क्षमता विकसित हो इसलिए एन0सी0ई0आर0टी0 द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम एवं पाठ्य पुस्तकों को अंगीकृत किया गया है। प्राचीन वैदिक गणित एवं योग भी पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। कई विषयों के प्रशन्पत्रों को भी कम किया गया है। छात्र-छात्राओं की अभिरूचि के अनुसार कौशल विकास हेतु व्यावसायिक शिक्षा को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। परीक्षार्थीगण अपनी परीक्षा की तैयारी विषयवार सुनियोजित तरीके से करें, इसको ध्यान में रखते हुए परीक्षा की समय सारिणी भी समय से घोषित की जाती है। प्रदेश सरकार माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा कराई जा रही परीक्षा की गुणवत्ता में सुधार, परीक्षा की शुचिता पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ पठन-पाठन की गुणवत्ता में किये गये सुधार से छात्र/छात्राये सुनहरे भविष्य की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

माँ के लिए बच्चा जिगर का टुकड़ा नि:शुल्क होगा कटे होंठ का ऑपरेशन

स्वास्थ्य कि टीम ने जच्चा-बच्चा दोनों को बेहतर स्वास्थ्य का दिया आश्वासन

हरहुआ। बच्चे भगवान /खुदा के दूसरे रूप और माँ के लिए कलेजे का हिस्सा होता है। जिसके लिए कितनी मनन्ते तो उपवास ,पूजा पाठ व मेहनत व दर्द सहती हैं, घर आंगन में खुशियां तो तरह -तरह से बधाइयां व मंगलगीत गाये जाते हैं। लेकिन गर्भ से बाहर आने वाले नवजात के दिव्यांग होने पर माँ खुश से प्यार नहीं करती दूसरे तो बेगाने होते हैं। ऐसा ही एक प्रकरण पीएचसी हरहुआ पर प्रसव के दौरान एक कटे होंठ के संतान देखने को मिला। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की स्वास्थ्य टीम नोडल डॉ0 ए0 जावेद के साथ जब सुबह प्रसूति वार्ड का नियमित निरीक्षण कर रही। स्टाफ नर्स रोजमेरी बोथा ने पुआरी खुर्द की महिला सोनम को सोमवार को सुबह होंठ कटे नवजात के पैदा होने पर जच्चा द्वारा प्यार न जताने की जानकारी दी। डॉ0 जावेद ने महिला टीम डॉ0 प्रतिभा को रंजना कुमारी के साथ भेजकर हर तरह से बच्ची को होंठ का निःशुल्क ऑपरेशन व उचित इलाज के साथ सामान्य रूप दिए जाने का आश्वासन दिया। डॉ0 जावेद के अनुसार बच्ची का वजन ठीक है एक महीने में बच्ची का ऑपरेशन हो जाएगा।तब मां को समझाने के बाद जच्चा बच्ची को प्यार से स्तनपान और प्यार दुलार जताने लगी। स्वास्थ्य टीम में डॉ0 अरविंद कुमार,डॉ0 शैलेन्द्र कुमार, नदीम अली ,विनोद कुमार व रंजना कुमारी इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

विश्व मलेरिया दिवस पर 200 मरीजों का स्वास्थ्य केंद्र पर हुई जांच

हरहुआ। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरहुआ कैम्पस व उप स्वास्थ्य केंद्र आयर पर विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया।जिसमें मरीजों को साफ-सफाई संग मच्छरदानी के उपयोग पर जोर दिया गया। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ0 आर0 के0 सिंह ने बताया कि कम्पन से यदि चढ़े बुखार,पसीना बार बार आये तो यह मलेरिया बुखार हो सकता है। मलेरिया से बचाव के लिए आस पास के नाली में पानी न जमा होने दे,गड्ढो में पानी जमा न हो, नालियों की नियमित सफाई करें, सोते समय कीटनाशक से उपचारित मच्छरदानी का उपयोग करें,कूलर पशु पक्षियों के वर्तन को सप्ताह में एक बार अवश्य सुखाएं, हैंड पम्प पर पानी न जमा होने दें।इस उपाय को अपनाकर मलेरिया मुक्त समाज को रखा जा सकता है। प्रभावित होने पर तत्काल पीएचसी पर खून की जांच कराकर दवाओं का उपयोग करें। इससे टायफायड से भी मुक्ति मिलेगी। मलेरिया रैपिड किट से 200 लोगों की जांच की गई।

हाईकोर्ट: सीएम योगी के खिलाफ याचिका दायर करने वाले पर लगा एक लाख का हर्जानाङ

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ दायर जनहित याचिका योगी आदित्यनाथ के कई नाम लिखे जाते हैं कहा गया था कि यूपी के सीएम के कई नामों के कारण प्रदेश की 32 करोड़ जनता के बीच संशय बना रहता है। चुनाव में नामांकन

खारिज करते हुए याचिकाकर्ता पर ही 1 लाख का जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने याची को 6 हफ्ते के भीतर जुर्माने की राशि शहर के जवाहरलाल नेहरू रोड के विकलांग आश्रम में जमा करने का आदेश दिया है। चीफ जस्टिस राजेश बिंदल और जस्टिस पीयूष अग्रवाल की खंडपीठ ने यह आदेश पारित किया। दिल्ली के रहने वाले याची ने याचिका दायर करके कोर्ट से कहा था कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री के समय आदित्यनाथ पुत्र अवेद्यनाथ लिखा गया। जबकि चीफ सेक्रेटरी के ट्विटर हैंडल पर महंत योगी आदित्यनाथ जी महाराज लिखा है। कहा गया कि कहीं अजय सिंह बिष्ट तो कहीं आदित्यनाथ योगी, इस प्रकार कई नामों की वजह से जनता के बीच नामों को लेकर दुविधा की स्थिति बनी रहती है। मांग की गई थी कि हाई कोर्ट, यूपी सरकार को सही नाम ही लिखने का निर्देश जारी करें।

लायंस कल्ब इंटरनेशनल मंडल 321 ई का जीएटी कॉन्क्लेव संपन्न

(आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। मंडल अध्यक्ष लायन चैतन्य पंड्या के नेतृत्व में गेट कांक्लेव का आयोजन प्रयागराज स्थित होटल में किया गया त् ग्लोबल एरिया लीडर पूर्व अंतरराष्ट्रीय निदेशक लायन डॉ जगदीश गुलाटी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया त् ग्लोबल मेंबरशिप टीम कोऑर्डिनेटर लायन कुंवर बी एम सिंह ने सदस्यता अभियान चलाने की अपील की, साथ ही अवार्ड की घोषणा की रीजन चेयरपर्सन लायन हिमांशु गुप्ता ने प्रयागराज में स्थाई सर्विस प्रोजेक्ट के लिए अपील की, जिस पर मंडल अध्यक्ष (निर्वाचित) लायंस र्पें सौरभ कांत ने आश्वस्त किया आगामी वर्षों में पूरे मंडल में स्थाई प्रोजेक्ट होंगे त् ग्लोबल एक्शन टीम कोऑर्डिनेटर लायन डॉ आनंद श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया त् एफडीआई ग्रेजुएट लायन बीपी मारवा एवं लायन रागनी पांड्या ने नए क्लब एवं सदस्य बनाने के लिए सुझाव की प्रस्तुति दी त् धन्यवाद ज्ञापन उपमंडल अध्यक्ष प्रथम (निर्वाचित) लायन अजय मल्होत्रा ने कियासंचालन मंडल सचिव नरेंद्र मेहता ने किया कार्यशाला में ऋषि सेठी, सुधा बहादुर, अनिल जयसवाल लाला भैया, संजीव लोगानी, सतीश टंडन, राजेंद्र गुप्ता, जगमोहन अग्रवाल, धीरेंद्र मिश्रा ,वीरेंद्र जायसवाल,डॉ आरके सिंह, रीना जयसवाल, मुकेश अग्रवाल,राजन टंडन, अतुल मल्होत्रा, रागिनी चंदेल, प्रीति टंडन, संजय गुप्ता, देवव्रत आर्य, डॉ एस के शुक्ला आदि लोग उपस्थित रहे।

जहरीला पदार्थ खाने से महिला अचेत

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। सोरो बरिया रामपुर निवासी प्रतिमा पत्नी कमलेश ने बीती रात कोई जहरीला पदार्थ निगल लिया जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई घर वाले तथा महिला का पति कमलेश उसे आनन-फानन सीएचसी फूलपुर लाए परंतु हालत खराब होने के कारण जिला अस्पताल रिफर कर दिया गया।

अज्ञात ट्रेन से गिरे पैसेन्जर को भेजा गया अस्पता

फूलपुर। सराय अब्दुलमलिक गांव के सामने सरैया मोड के पास बीती रात अज्ञात समय में अज्ञात ट्रेन से गिरे व्यक्ति को सुबह शौच हेतु निकले ग्रामीणों ने देखा तो हड़कंप मच गया अचेत अवस्था में होने के कारण बोल नहीं पा रहा था पास से मिली आईडी के अनुसार सिराजुद्दीन उम्र 44 वर्ष पुत्र मोइनुद्दीन निवासी नई बाजार बक्सर बिहार किसी ट्रेन से कहीं जा रहा था तभी फिसल कर गिर गया होगा।

महिला अस्पताल में खामियां जिला अस्पताल दुरुस्त

गाजीपुर । अपर निदेशक वाराणसी मंडल डा. एसके उपाध्याय ने मंगलवार को राजकीय मेडिकल कालेज से संबद्ध जिला पुरुष अस्पताल व जिला महिला अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान महिला अस्पताल में उन्हें कई तरह की कमियां मिलीं, जिन्हें उन्होंने तत्काल उन कमियों को दुरुस्त करने के विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए।स्वास्थ्य विभाग के द्वारा संचालित अस्पतालों में सब ठीक चल रहा है या नहीं इसके लिए समय-समय पर आला अधिकारियों के द्वारा निरीक्षण किया जाता रहा है। अपर निदेशक सबसे पहले जिला महिला अस्पताल पहुंचे, जहां पर सफाई की व्यवस्था से नाराज दिखे। इसके लिए उन्होंने सफाई हेतु सख्त निर्देश दिए। इस दौरान वहां पर आने वाले रोगियों के पानी पीने की कोई व्यवस्था नहीं थी, जिसकी आपूर्ति कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा रोगियों के लिए कूलर और आरओ लगाने के निर्देश दिए। इस दौरान एसएनसीयू वार्ड व अन्य वार्ड में एसी नहीं चल रहे थे जिसे तत्काल रिपेयर करा कर चालू कराने के निर्देश दिए। इसके बाद वह जिला पुरुष अस्पताल गोरा बाजार पहुंचे और इमरजेंसी व जनरल वार्ड, पैथोलाजी, ओपीडी व दवा वितरण केंद्र का जायजा लिया। उन्होंने जिला पुरुष अस्पताल की व्यवस्था पर संतुष्टि जाहिर की। राजकीय मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा. आनंद मिश्रा की सराहना करते हुए स्वास्थ्य सुविधाएं और बेहतर करने को कहा। इस दौरान सीएमओ डा. हरगोविंद सिंह, सीएमएस महिला अस्पताल डा. तारकेश्वर, सीएमएस जिला अस्पताल डा. राजेश सिंह व अन्य मौजूद रहे।

पुलिस लाइंस में यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान पकड़ा गया मुन्ना भाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोनन्ति बोर्ड की ओर से आयोजित उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, प्लाटून कमांडर पीएससी की सीधी भर्ती 2020-21 में एक मुन्ना भाई पकड़ा गया है। अभियुक्त सर्वेश कुमार अलीगढ़ के पचवारी इगलास का निवासी है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। पुलिस लाइन में अभ्यर्थियों की शारीरिक मानक परीक्षा और अभिलेखों के सत्यापन का काम चल रहा है। इसके लिए पुलिस और आईआरटी के प्रोफेसर की टीम बनाई गई है। बताया जाता है कि सर्वेश कुमार अपने अभिलेखीय दस्तावेज लेकर पुलिस लाइन पहुंचा। वहां फोटो मिलान डेस्क पर प्रवेश पत्र की कंप्यूटर से जांच की गई तो भिनन पाया गया। अभ्यर्थी

को दो मौके भी दिए गए लेकर जांच में सही नहीं पाया गया। तब पुलिसकमिर्यों ने उसे पकड़ लिया और कड़ाई से पूछताछ शुरू की, जिसमें फर्जीवाड़ा की बात सामने आई। फिलहाल सर्वेश के खिलाफ कर्नलगंज थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है। इंस्पेक्टर कर्नलगंज विश्वजीत सिंह का कहना है कि सर्वेश से पूछताछ चल रही है। पता लगाया जा रहा है कि वह किसके स्थान पर परीक्षा में शामिल होने आया था, क्योंकि अभी तक उसने स्पष्ट रूप से कुछ नहीं बताया है।

चोरी की बाइक सहित एक धराया

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। फूलपुर के थाना अध्यक्ष अमित कुमार राय के नेतृत्व में गठित टीम के उप निरीक्षक विनय कुमार मिश्र हमराही पुलिस कांस्टेबल अभिषेक कुमार एवं कांस्टेबल विपुल कुमार द्वारा गश्त के दौरान सावडीह नहर की पुलिया थाना फूलपुर समय 6:00 बजे शातिर चोर सनी कुमार पुत्र आसाराम यादव उम्र 19 वर्ष निवासी पुरे दुर्गी पोस्ट कतरौली थाना बहरिया को एक चोरी की मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार कर मुकदमा अपराध संख्या 136/2022 के तहत विधिक कार्यवाही की गई।

बलिया मे धूमधाम से क्रांति के नायक बाबू कुंवर सिंह का बलिदान दिवस

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया। आज प्राथमिक विद्यालय अलावलपुर शिक्षा क्षेत्र हनुमान गंज बलिया पर अट्ठारह सौ सत्तावन की क्रांति के नायक बाबू कुंवर सिंह

का बलिदान दिवस मनाते हुए विद्यालय की शिक्षिका कुमारी अंजली तोमर ने कुंवर सिंह के बारे में विस्तार से बच्चों को बताया और उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश भी दिया उन्होंने यह भी बताया कि महान सेनानियों का बलिदान ही गुलामी की बेडि़यों से मुक्त करके अपने अनुसार जीवन जीने का हक दिया है इसलिए हम सभी लोगों का परम कर्तव्य बनता है कि ऐसे लोगों को सदैव याद किया जाए तथा आने वाली पीढियों को यह बताया जाए ।शहीदों के बलिदान दिवस पर हमेशा कार्यक्रम का आयोजनकरते हुए उनके विचारों को जन-जन में फैलाने का काम किया जाए ताकि आने वाली पीढियां अपने पूर्वजों को याद रख सके ।इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे कार्यक्रम के अंत में बच्चों को यह संदेश दिया गया अमर सपूतों को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम पढ़ लिख कर के अपने देश के लिए कुछ कर सके और देश की अस्मिता और आबरू को अक्षुण रख सकें।

बलिया फर्जी मुकदमे मे गिरफ्तार पत्रकारों को किया गया रिहा,एक दिन पहले मिली थी जमानत

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया। यूपी बोर्ड के परिवार के दौरान पेपर लीक मामला में फर्जी मुकदमे के तहत गिरफ्तार तीनों पत्रकारों को जमानत मिलने के बाद आज जेल से रिहा कर दिया गया है।पत्रकार काफी दिनों से तीनों की गिरफ्तारी को लेकर प्रदर्शन कर रहे है। उत्तर-प्रदेश के बलिया जिले में प्रशन्पत्र लीक मामले में बलिया जिला प्रशासन ने बलिया के तीन पत्रकारों को जेल भेज दिया था। इन तीनों पत्रकारों की एक दिन पूर्व जमानत हो गई थी। आज आजमगढ़ जेल से उन्हें रिहा कर दिया गया।पत्रकारों का बड़ी संख्या ने उनका स्वागत किया। जेल से बाहर निकलते ही पत्रकारों ने बलिया के डीएम व एसपी पर ठीकरा फोड़ते हुए कहा कि बलिया जिला प्रशासन ने अपनी कमियां छिपाने के लिए हम लोगों पर मुकदमा कर जेल में डाल दिया। मीडिया के साथियों का सहयोग रहा और आज हम लोग बाहर आ गए। 28 दिन जेल में बाद बड़ी संख्या में पत्रकारों ने फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत से बाहर निकले तीनों पत्रकार दिग्विजय सिंह, अजीत ओझा व

कैसे बीते यह हमें और हमारे घर वालों को पता है। रिहा होने के किया। पत्रकार बोले प्रशासन की भूमिका संदिग्ध आजमगढ़ जेल मनोज गुप्ता ने बलिया जिला प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रशासन की भूमिका पूरी तरह से संदिग्ध है। हम लोगों ने जिला प्रशासन को सूचना दी और जिला प्रशासन ने हम लोगों को ही अपराधी बना दिया। पत्रकारों का कहना है कि आरोपियों को पकड़ने के बजाय सूचना देने वाले लोगों को ही आरोपी बना दिया गया। पत्रकारों का कहना है कि अधिकारों की बात आएगी तो हम लोग प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया का भी दरवाजा खटखटाएंगे। पत्रकारों का कहना है कि यूपी बोर्ड परीक्षा शुरू होने से पहले ही बलिया के बाजारों में बोर्ड परीक्षा की कॉपियां और प्रशन्पत्र बिक रहे थे और यह सूचना सोशल मीडिया में भी वायरल हो रही थी, पर जिले के डीएम और एसपी लगातार अपनी कमियां छिपाते रहे। यही कारण है कि प्रशासन ने पत्रकारों का दमन कर मामले को दबाने का प्रयास किया।

पीड़िता ने पुलिस से लगाई गुहार, दुष्कर्म आरोपी को विवाह से पहले करो गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। जार्जटाउन क्षेत्र में किराए पर कमरा लेकर पढ़ाई

करने वाली एक किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में एफआइआर दर्ज होने के बाद भी आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है पीड़िता की मां ने पुलिस अधिकारियों को जाकर बताया कि दुष्कर्म का एक आरोपित 27 अप्रैल को शादी करने जा रहा है। इसलिए उसकी गिरफ्तारी की जाए। पीड़िता की मां का कहना है कि उसकी पुत्री के साथ एक युवक ने पहले दोस्ती की। शादी का झांसा देकर उससे शारीरिक संबंध बनाया।तीन फरवरी को अपने पिता से मिलवाने के बहाने कार से लेकर निकला। उसके साथ उसका एक और दोस्त था। सीएमपी डिग्री कालेज के पास दोनों ने उसकी पुत्री के साथ दुष्कर्म किया।उसे वहीं छोड़कर भाग निकले। मामले की जानकारी जार्जटाउन पुलिस को दी गई, लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। इसके बाद न्यायालय का दरवाजा खटखटाने पर रिपोर्ट दर्ज करने का आदेश हुआ। जार्जटाउन पुलिस ने प्रवेश मिश्रा और विपिन यादव के खिलाफ दुष्कर्म समेत कई धाराओं में रिपोर्ट तो दर्ज की, लेकिन गिर.फ्तारी नहीं की। अब इसी में फरार एक आरोपित की 27 अप्रैल को शादी है। उसकी बरात झूंसी स्थित एक गेस्ट में जाएगी।साथ ही चेतावनी दी कि अगर पुलिस ने आरोपित को विवाह करने से पहले गिरफ्तार नहीं किया तो उसकी पुत्री आत्मदाह कर लेगी।

कड़ी धूप से प्रभावित हो रहा जनजीवन, बेहाल हैं लोग

सोनभद्र । चिलचिलाती धूप और चल रही गर्म हवा ने अप्रैल में ही जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। दोपहर में कड़ाके की धूप में घरों से निकल रहे लोग बीमार हो रहे हैं। तापमान में भी खास परिवर्तन नहीं हो रहा है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 41.8, जबकि न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहा। हालांकि सोमवार को अधिकतम तापमान 42.2 डिग्री सेल्सियस था। अप्रैल में ही पड़ रही भीषण गर्मी से लोग बेहाल हैं। सुबह 6 बजे से ही धूप हो रही है और 8 बजते बजते कड़ी धूप हो जा रही है। दोपहरिया में जैसे आसमान से आग बरस रही है। इससे लोगों का कड़ी धूप में निकलना मुश्किल हो रहा है। जो लोग घरों से बाहर निकल भी रहे हैं वे सिर ढक कर निकल रहे हैं। धूप लगने से लोग सर्दी, जुकाम, बुखार, सिर दर्द, बदन दर्द आदि के शिकार हो रहे हैं और अस्पतालों में उपचार करा रहे हैं। स्थिति यह है कि लोग धूप में निकल रहे हैं तो कुछ ही देर में कहीं छांव की तलाश करने लग रहे हैं। लोग राब?ट्र्सगंज में फ्लाईओवर के नीचे या अन्य सावर्जनिक स्थलों पर जहां छांव है, बैठे नजर आ रहे हैं। कड़ी धूप से दिन में घरों में रहने वाले लोग कूलर की हवा में रह रहे हैं। इसी में बिजली की कटौती भी लोगों को परेशान कर रही है।

प्लान-चित्र .6, 7. सावधान मानक को पूरे नहीं कर रहे स्कूल वाहन बन सकते हैं हादसे का कारण

सोनभद्र । स्कूल वाहनों में आए दिन दुर्घटना के बाद भी नियमों की अनदेखी पर रोक नहीं लग पा रही है। सड़कों पर नियम विरुद्ध वाहन बच्चों को लेकर धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं। इसे लेकर न स्कूल प्रबंधन गंभीर नजर आ रहा है और न ही अभिभावक। परिवहन व यातायात विभाग भी चुप्पी साधे हुए है। ऐसे में इन वाहनों से भविष्य संवारने जा रहे नौनिहाल कब किसी दुर्घटना के शिकार हो जाएं यह तय नहीं। गाजियाबाद की घटना के बाद शनिवार को परिवहन विभाग के अफसरों ने सघन जांच अभियान चलाया। अफसरों ने नियम विरुद्ध स्कूली वाहनों के संचालन पर पूरी तरह से रोक लगाने का आदेश जारी किया था। सवाल उठता है कि अगर प्रशासन इसे लेकर सख्त है तो फिर बार-बार वही स्थिति क्यों सामने आती है। सड़कों पर खटारा स्कूली वाहन कैसे दौड़ रहे हैं। एआरटीओ प्रवर्तन धनवीर यादव के नेतृत्व में स्कूल वाहनों को लेकर सघन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान आठ स्कूली वाहनों का चालान काटा गया तो वहीं चोपन स्थित एक स्कूल वाहन को सीज करते हुए बंद कर दिया गया। एआरटीओ ने बताया कि जितने भी वाहनों का चालान काटा गया सबका फिटनेश फेल था। इसके अलावा चोपन स्थित एक स्कूल वाहन की स्थिति बहुत ही खराब मिली। जिसके बाद स्कूल के छात्रों को छोड़ने के बाद उक्त वाहन को सीज कर दिया गया। स्कूल वाहनों में प्राथमिक चिकित्सा का भी इंतजाम नहीं होता है। जबकि प्रधानाचार्य व प्रबंधक का मोबाइल नंबर भी अंकित रहेगा। वाहन सवार बच्चों को सड़क पार कराने की जिम्मेदारी भी परिचालक की है।अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने का प्रयास हर कोई करता है। प्रयास रहता है कि वह अच्छे से अच्छे स्कूल में पढ़ें। इसके लिए वह दिन रात एक करके पैसे बचाता है। लेकिन जरा हरिए,

मानक के अनुसार चिकित्सा व्यवस्था, आग से बचाव के संसाधन होने के साथ ही चालक व परिचालक का ड्रेसकोड निर्धारित है। वाहन के खिड़की पर राड व जाली लगा होना चाहिए, वाहन के पीछे चालक व परिचालक तथा प्रधानाचार्य व प्रबंधक का नाम अंकित होना चाहिए। चालक, यह सब जतन कर आप जिस स्कूल में बच्चों को पढ़ाते हैं क्या वह करता है, जवाब मिलेगा नहीं। गाजियाबाद में स्कूल छात्र की मौत के बाद शनिवार को दैनिक जागरण ने सोनांचल के स्कूलों में प्रयोग होने वाले वाहनों की पड़ताल की।

26 पेटी में 1247 शीशी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद

सोनभद्र । पुलिस अधीक्षक अमरेंद्र प्रसाद सिंह के निर्देशन में जनपद में मादक पदार्थों की बरामदगी व इसमें संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को क्षेत्राधिकारी पिपरी प्रदीप सिंह चंदेल के निकट पर्यवेक्षण में थाना पिपरी पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों ने जामा मस्जिद रेणुकूट के सामने पहले से खराब हुई खड़ी गाड़ी में पीछे से टक्कर मार दी, जिससे वाहन मौके पर क्षतिग्रस्त हो गया। वाहन का चालक मौका पाकर भागने में सफल रहा। मौके पर पुलिस टीम ने इनोवा को चेक किया तो उसमें से कुल 26 पेटी से 1247 शीशी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद

की चेकिग के दौरान जरिए मुखबिर सूचना मिली कि एक इनोवा कार अनपरा से रेणुकूट होते हुए बिहार की तरफ जा रही है, जिसमें अवैध शराब लदी है। सूचना पाकर पुलिस रेलवे स्टेशन के पास पहुंच गई। वहां एक कार अनपरा की तरफ से आते हुई दिखाई दी। पुलिस ने कार को रोकने का प्रयास किया तो चालक तेजी से वाहन लेकर भागने लगा। उसका पीछा किया गया तो वाहन हुई। उस पर सेल फार एमपी अंकित था। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस संबंध में पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रदीप सिंह चंदेल ने बताया कि एक इनोवा कार से अवैध रूप से ले जाई जा रही शराब पकड़ी गई है। कार चालक मौके से फरार हो गया है। कार किसकी है इसका पता लगाया जा रहा है। जल्द ही जांच कर संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पेयजल समस्या को लेकर भाजपा डाला मंडल उपाध्यक्ष ने जल शक्ति मंत्री को सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला (सोनभद्र)। स्थानीय डाला भाजपा मंडल के उपाध्यक्ष के नेतृत्व में आज रॉबर्ट्सगंज सर्किट हाउस में पेयजल की हो रही समस्या को लेकर जल शक्ति मंत्री को ज्ञापन सौंपकर सदर विधानसभा क्षेत्र में उप्तनन्न पेयजल की समस्या से अवगत कराया सोमवार के दोपहर में डाला भाजपा मंडल उपाध्यक्ष मनिष तिवारी व भाजपा कार्यकर्ता ने रॉबर्ट्सगंज सर्किट हाउस में जनपद के दौरे पर आए हुए जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह को डाला सहित राबर्ट्सगंज सदर विधानसभा में बढ़ते भीषण गर्मी के कारण हैंडपंपों बोर का पानी निचे चलें जाने के वजह से हो रही परेशानी जल संबंधी व पेयजल आपूर्ति को लेकर ज्ञापन सौंपा गया और यहां के स्थित से अवगत कराया इस दौरान दीपक दुबे, सदन साहू, राजू शुक्ला, हिमांशु कुमार, संतोष कुमार मिश्रा, सामिल रहें।

मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा से उतारे गए लाउडस्पीकर

खलियारी। म्योरपुर कस्बे के मंदिर मस्जिद, गुरुद्वारा से मंगलवार को लाउडस्पीकर उतरवा दिया गया। इसके पूर्व सभी समुदायों के धर्म गुरुओं के साथ पुलिस ने चर्चा की और सभी ने इसके लिए सहमति जताई। थानाध्यक्ष अश्वनी कुमार त्रिपाठी ने बताया कि अब बिना अनुमति के किसी भी धर्म समुदाय इस दौरान भारी पुलिस बल तैनात रही। खलियारी रायपुर थाने में मंगलवार को अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन विजय शंकर मिश्र ने धार्मिक स्थलों पर ध्वनि विस्तारक यंत्र व समारोह में ध्वनि विस्तारक यंत्र के बारे में शासन के निर्देशों को ब्रीफ किया। बताया गया कि बिना जिला प्रशासन की अनुमति

के मंदिर, मस्जिद आदि स्थानों पर लाउडस्पीकर नही बजेंगे। इसके लिए अनुमति अनिवार्य होगा। बातचीत के बाद पुलिस हवाई पट्टी रोड स्थित गुरुद्वारा, रामलीला रोड स्थित मस्जिद और लिलासी रोड़ स्थित हनुमान मंदिर, दुर्गा और शिव मंदिर से लाउडस्पीकर उतरवा दिया गया। के किसी भी ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग नहीं किया जाए। जहां अनुमति के अधीन प्रयोग होता है वहां भी अनुमति की शर्तों के अधीन मानक के अनुसार तीव्रता रखी जाए। इस दौरान लालबहादुर पाण्डेय, सुनील जायसवाल, निजाम अली, ऐनुल हक अंसारी, सिद्दीक अली आदि रहे।

चित्र-11-पार्किंग में खड़े ट्रक में लगी आग

डाला (सोनभद्र)। स्थानीय पुलिस चौकी क्षेत्र स्थित अल्ट्राटेक सुपर पार्किंग में रविवार को बालू लोड कर खड़े ट्रक में आग लगने से अफरा तफरी मच गई। देखते ही देखते ट्रक से आग की तेज लपटें निकलने लगीं। यह देखकर आस-पास के लोगों समेत सुरक्षा गार्ड ने शोर मचाकर पुलिस व अल्ट्राटेक के दमकल विभाग को सूचना दी। घंटों प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सका। अल्ट्राटेक सुपर ट्रक पार्किंग में करीब दो माह पूर्व से खनन विभाग द्वारा सीज किया गया बालू लोड चौदह चक्का खड़े ट्रक में अचानक आग लगने से ट्रक के ऊपरी हिस्से से आग की लपटें निकलने लगी। चौकी प्रभारी मनोज कुमार ठाकुर ने मौजूद लोगों को दूर रहने की हिदायत देकर तत्काल अल्ट्राटेक कंपनी से फायर ब्रिगेड वाहन को बुलाया। घंटों प्रयास के बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। आग लगने से ट्रक का केबिन जलकर राख हो गया। इस संबंध में चौकी प्रभारी मनोज कुमार ठाकुर ने बताया कि खनिज विभाग द्वारा सीज किया हुआ ओवरलोड बालू की ट्रक दो माह से पुलिस की सुपुर्दगी में अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी के पार्किंग में खड़ा कराया गया है।

पत्नी की हत्या करने वाले आरोपी पति की हुई गिरफ्तारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। बभनी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम झनकपुर निवासी सावित्री देवी पत्नी रघु उम्र लगभग 55 वर्ष की उनके ही पति द्वारा गले पर पेंचकश से वार कर हत्या कर दी गयी थी । घटना की सूचना पर स्थानीय पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर वैधानिक कार्रवाई कराते हुए, प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना बभनी पर मुकदमा अपराध संख्या 53/2022 धारा-302 भादवि का अभियोग पंजीकृत किया गया । घटना में संलिप्त आरोपी पति की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अमरेन्द्र प्रसाद सिंह द्वारा क्षेत्राधिकारी दुद्धी के निकट पर्यवेक्षण में थाना बभनी पुलिस की टीम गठित कर आवश्यक निर्देश दिए गए । इस टीम द्वारा दिनांक 24.04.2022 को ही रात्रि लगभग 08.00 बजे ग्राम सागसोती से झनकपुर जाने वाले रास्ते के पास से घटना में संलिप्त अभियुक्त रघु वादी पुत्र स्वर्गीय गणपत निवासी झनकपुर थाना बभनी जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया । **गिरफ्तार अभियुक्त-** रघु वादी पुत्र स्वर्गीय गणपत निवासी झनकपुर थाना बभनी जनपद सोनभद्र ।**गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम-**1- नि0 मनोज कुमार सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना बभनी सोनभद्र 2- हे0का0 अक्षय यादव थाना बभनी सोनभद्र 3- का0 शिवम सिंह थाना बभनी सोनभद्र ।4- का0 सुमित पाठक थाना बभनी सोनभद्र ।

शिवशंकरी धाम मंदिर का 49.72 लाख की लागत से होगा कायाकल्प

चुनार (मीरजापुर) । विधानसभा क्षेत्र के कैलहट में स्थित पौराणिक एवं धार्मिक महत्व के शिवशंकरी धाम मंदिर के सौंदर्यीकरण का कार्य शीघ्र ही शुरू कराया जाएगा। योगी सरकार-2 के शपथ लेने के पूर्व ही 15 मार्च को नए कार्यों को कराने की स्वीकृति देने के साथ ही 49.72 लाख रुपये की वित्तीय संस्तुति की गई है। इस योजना के तहत मंदिर में दर्शन पूजन के लिए आने वाले दूरदराज के श्रद्धालुओं को बैठने के लिए मेन गेट, विश्राम स्थल, हॉल, सीसी रोड, महिला व पुरूष के लिए टायलेट, पेयजल की व्यवस्था के साथ सोलर लाइट्स लगाई जाएगी। कार्य योजना को पूर्ण करने का दायित्व प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लि. को दिया गया है। मंदिर के सुंदरीकरण और विकसित होने के बाद यहां आने वाले दर्शनार्थियों को काफी सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाले प्रोजेक्ट पर्यटन संव?र्द्धन योजना में शिवशंकरी धाम मंदिर को शामिल कराने की पहल क्षेत्रीय विधायक अनुराग सिंह द्वारा की गई थी। इस संबंध में 2019 में उन्होंने शासन में पत्राचार करके इस मंदिर धार्मिक एवं पर्यटन की ष्टि से विकसित करने की मांग की थी। क्षेत्रीय विधायक की पहल पर इस मंदिर को योजना में शामिल करते हुए फरवरी 2021 में कायन्योजना स्वीकृत की गई थी। बाद में तकनीकी कारणों से कार्ययोजना में फेरबदल के लिए मई 2021 में विधायक ने पुनः महानिदेशक पर्यटन को पत्र लिखा। परियोजना में पूर्व में स्वीकृत कार्यों के स्थान पर नवीन कार्यों के लिए आगणन तैयार कराया गया। मुख्यमंत्री पर्यटन संवर्धन योजना से अति प्राचीन शिव शंकरीधाम मंदिर के सुंदरीकरण एवं पर्यटन विकास के लिए पिछले साल 24 फरवरी को योजना स्वीकृत की गई थी लेकिन कुछ तकनीकी अड़चनों के कारण कार्य शुरू नहीं कराया जा सका था।

घोरावल विधायक द्वारा ग्राम पंचायत कुरा में सचिवालय भवन का किया गया उद्घाटन

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। ग्राम पंचायत कुरा में घोरावल विधायक अनिल मौर्य ब्लाक प्रमुख अजीत रावत साथ ही ग्राम प्रधान द्वारा रिबन काटकर सचिवालय कुरा का लोकार्पण किया गया.कार्यक्रम के दौरान विधायक अनिल मौर्या डीपीआरओ ब्लाक प्रमुख अजीत रावत द्वारा मच्छरदानी का वितरण भी किया गया साथ ही .प्रधान गांव वालों की समस्या को देखते हुए बगल की जमीन पर शादी विवाह का एक छोटा सा मंडप बनाने का आग्रह किया ताकि गरीब एवं मजबूर लोगों की शादी कम पैसे में जगह उपलब्ध कराई जा सके इस पर विधायक द्वारा अनुमति भी दी गई और कहा गया कि इस गांव की हर समस्या पर विशेष ध्यान दिया जाएगा

23 नफर वाछिंत अभियुक्तों वारंटियों को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। वांछित अभियुक्तों एवं वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए गए विशेष अभियान के तहत जनपदीय पुलिस द्वारा दबिश देकर 04 नफर वाछिंत अभियुक्तों व 19 नफर वारंटियों की गिरफ्तारी की गयी । उक्त गिरफ्तारी में थाना रायपुर द्वारा 01 नफर, थाना कोन द्वारा 01 नफर, थाना बभनी द्वारा 01 नफर व थाना अनपरा पुलिस द्वारा 01 नफर अभियुक्त, कुल-4 नफर वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया । इसी प्रकार वारण्टियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये अभियान में थाना घोरावल द्वारा 05, थाना पन्नूगंज द्वारा 02, थाना रायपुर द्वारा 04, थाना मांची द्वारा 01 ,थाना ओबरा द्वारा 02, थाना कोन द्वारा 01, थाना दुद्धी द्वारा 01, थाना म्योरपुर द्वारा 01, थाना अनपरा द्वारा 01, थाना शक्तिनगर द्वारा 01 नफर , कुल 19 नफर वारण्टियों को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

रांची के भक्त ने विध्यवासिनी मंदिर पर लगवाया सवा क्विटल चांदी का दरवाजा

विध्याचल (मीरजापुर) । झारखंड के रांची निवासी संजय चौधरी ने विध्यवासिनी मंदिर पर नंबर एक प्रवेश द्वार पर सवा क्विटल का दरवाजा लगवाया। इसकी कीमत 80 लाख रुपये आंकी गई है। यह दरवाजा सवा पांच फीट लंबा व दो फीट चौड़ा है। इसे राजस्थान से बनवाया गया है। इसको लगाने के लिए राजस्थान के झुंझुनू जिले से पांच कारीगर भी लाए गए हैं जहां चांदी का दरवाजा लगाया गया, वहां पहले पीतल का गेट लगा था। विध्यवासिनी मंदिर पर कसेरा समाज के लोगों ने चार जोड़ा पीतल का गेट लगवाया था। उस पर लिखा है कि जो चांदी या सोने का गेट लगवाएगा वही पीतल का गेट हटवाएगा। परिवार के साथ विध्याचल आए भक्त संजय चौधरी ने सबसे पहले मां विध्यवासिनी का दर्शन-पूजन किया। इसके बाद विध्यवासिनी मंदिर पर दरवाजा लगवाने की प्रक्रिया शुरू कराई। उनका कहना है कि वे 30 साल से विध्याचल आ रहे हैं। अपनी श्रद्धा से विध्यवासिनी पर दरवाजा लगवा रहे हैं।

राजकीय इंटर कॉलेज गुरमुरा कोटा के प्रारंभ होने से क्षेत्र में खुशी का माहौल।

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला (सोनभद्र)। स्थानीय कोटा ग्राम पंचायत के टोला परास पानी में नवनिर्माण राजकीय इंटर कालेज गुरमुरा कोटा के प्रारंभ होने से आसपास के क्षेत्रों में बना हर्ष का माहौलमिली जानकारी के मुताबिक राजकीय इंटर कालेज गुरमुरा कोटा में प्रभारी प्रधानाचार्य देवेंद्र प्रसाद सिंह सहायक अध्यापक हिंदी मूचकुन्द दुबे सहायक अध्यापक अंग्रेजी अमर सिंह आयोग से नियुक्ति शिक्षितर कर्मी विजय कुमार मौर्या को नियुक्त किया गया है वहीं इंटर कालेज में अभी कक्षा छ से इंटर के बच्चों का एडमीशन 18 अप्रैल प्रातः सात बजे से प्रारम्भ कर दिया गया है जो की एक मई से बीस मई तक इस वर्ष की एडमीशन कार्य पूर्ण किया जायेगाराजकीय इंटर कालेज गुरमुरा कोटा परास पानी को लेकर आधुनिक समाचार की टीम ने

आसपास के गांव के लोगों से बात चित किया गया तो उन्होंने बताया कि हम लोगों के क्षेत्र में इंटर कालेज नहीं होने की वजह से हमारे बच्चों को पड़ने के लिए दूर दराज जाना पड़ता था और हम लोगों के पास उचित शाधन व प्राइवेट स्कूलों में बच्चों को पढ़ाने के लिए पैसे नहीं होने के कारण हर वर्ष क्षेत्र में सैकड़ों बच्चों हाईस्कूल व इंटर की पढ़ाई नहीं कर पा रहे थे और वह शिक्षा दूर होते जा रहे थे यह क्षेत्र आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र माना जाता है यहां के लोगों आसपास क्षेत्रों में जाकर मजदूरी कर अपना जीवन यापन करते हैं उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा राजकीय इंटर कालेज खोलने के निर्देश जारी होते ही लोगों में हर्ष का माहौल बन गया वहीं बड़े ही तेजी के साथ इटर कालेज की साफ सफाई विजली के ट्रांसफार्मर जल्दी जल्दी में लगवाएं गए जिसको लेकर यहां के लोगों ने अनुमान लगाया जा रहा है डाला तेलगुडवा परास पानी ज्वारीडांड गुरमुरा मालोघाट तक बच्चे इस राजकीय इंटर कालेज में पढ़कर अपना भविष्य संवारेंगे

ग्लेन मैक्सवेल आइपीएल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले ओवरसीज प्लेयर बने, राशिद खान का तोड़ा रिकार्ड

नई दिल्ली। आरसीबी के तूफानी आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने राजस्थान रायल्स के खिलाफ अपनी टीम को बेहद निराश किया। आरसीबी के 37 रन पर दो विकेट गिर चुके थे और विराट कोहली व कप्तान डुप्लेसिस पवेलियन लौट चुके थे। ऐसे में मैक्सवेल से टीम को बड़ी आशा थी, लेकिन वो आए और चल दिए। चौथे क्रम पर बल्लेबाजी करने आए मैक्सवेल को कुलदीप सेन ने खाता भी नहीं खोलने दिया और उन्हें गोल्डन डक पर आउट कर दिया। इस मैच में शून्य पर आउट होने के बाद ग्लेन मैक्सवेल आइपीएल में सबसे ज्यादा बार जीरो पर आउट होने वाले ओवर सीजन यानी विदेशी बल्लेबाज बन गए। राजस्थान के खिलाफ मैक्सवेल बिना खाता खोले ही आउट हो गए और आइपीएल में 12वां मौका था जब उन्होंने जीरो पर अपना विकेट गंवा दिया। अब वो इस लीग में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले विदेशी खिलाड़ी भी बन गए हैं। मैक्सवेल ने अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान को पीछे छोड़ दिया जो आइपीएल में अब तक 11 बार शून्य पर आउट हो चुके हैं। अब बतौर विदेशी खिलाड़ी आइपीएल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने के मामले में राशिद खान दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं जबकि ग्लेन मैक्सवेल पहले नंबर पर आ गए हैं। आइपीएल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले टाप 6 खिलाड़ी 12 - ग्लेन मैक्सवेल 11 - राशिद खान 10 - सुनील नरेन 10 - एबी डिविलियर्स 9 - क्रिस मौरिस 9 - जैक कैलिस आपको बता दें कि इस मैच में आरसीबी ने टास जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने रियान पराग की नाबाद अर्धशतकीय (56 रन) पारी के दम पर 20 ओवर में 8 विकेट पर 144 रन बनाए। आरसीबी को जीत के लिए 145 रन बनाने थे और टारगेट भी ज्यादा बड़ा नहीं था, लेकिन राजस्थान के गेंदबाजों के सामने आरसीबी के बल्लेबाजों ने घुटने टेक दिए। आरसीबी की बल्लेबाजी पूरी तरह से फेल रही यहां तक कि कोहली भी नहीं चले और उनके बल्ले से 9 रन निकले। इस मैच में आरसीबी ने 19.3 ओवर में 115 रन बनाए और उसे 29 रन से हार मिली।

श्रेयस अय्यर ने दी चेतावनी कहा- लय में आने के बाद केकेआर को रोकना मुश्किल होगा

मुंबई। आइपीएल 2022 में अब तक श्रेयस अय्यर की कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रदर्शन कुछ ज्यादा अच्छा नहीं रहा है और ये टीम फिलहाल तो संघर्ष करती हुई नजर आ रही है। इस टीम ने अब तक 8 मैच खेले हैं जिसमें से उसे सिर्फ तीन मैचों में जीत मिली है जबकि पांच में उसे हार का सामना करना पड़ा है। इस टीम के अभी महज 6 अंक हैं और अंक तालिका में ये टीम आठवें स्थान पर है। केकेआर के खराब प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि क बार लय में आने के बाद इस पूर्व चैंपियन टीम को रोकना मुश्किल होगा। केकेआर की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक श्रेयस अय्यर ने कहा कि हमने वास्तव में बहुत अच्छी शुरुआत की थी तथा पहले चार में से तीन मैच जीते थे। इसके बाद चीजें हमारे अनुकूल नहीं रही लेकिन मुझे अब भी टीम पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि हम मैदान पर उतरने के बाद सभी विभागों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, केवल हम रणनीति पर पूरी तरह से अमल नहीं कर पा रहे हैं। यह केवल समय की बात है। एक बार जब हम लय पकड़ लेंगे तो फिर टीम के रूप में हमें रोकना मुश्किल होगा। श्रेयस अय्यर ने कहा कि हमें अभी पता चला है कि क्वालीफायर्स ईडन गार्डन्स में आयोजित किए जाएंगे, इसलिए हम मैच जीतने के लिये अपनी तरफ से शत प्रतिशत प्रयास करेंगे ताकि हम वहां जाकर अपने प्रशंसकों का मनोरंजन कर सकें। उन्होंने कहा कि टीम का माहौल शुरू से शानदार रहा है और हार या जीत खेल का हिस्सा है। हम एक टीम के रूप में जिस तरह से तैयारी कर रहे हैं वह शानदार है।

हैदराबाद से हार का बदला लेना चाहेगा गुजरात, दूसरी बार दोनों टीमें होंगी आमने-सामने

मुंबई। शानदार प्रदर्शन कर रही गुजरात टाइटंस की टीम आइपीएल मैच में बुधवार को जब सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसकी कोशिश अपने शुरुआती सत्र में इस टीम से मिली सत्र की एकमात्र हार का बदला लेने की होगी। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में गुजरात की टीम ने सात में से छह मैचों में जीत दर्ज की है और लीग में उसे एकमात्र हार का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से करना पड़ा है। दूसरी ओर शुरुआती दो मैचों में हार का स्वाद चखने के बाद लगातार पांच मैच जीतने वाली हैदराबाद की टीम अपनी शानदार लय को जारी रखते हुए गुजरात को तालिका में शीर्ष से हटाकर अपनी जगह बनाना चाहेगी। इस मैच में दोनों टीमों के तेज गेंदबाजों की शानदार भिड़ंत देखने को मिलेगी। गुजरात के लाकी फर्ग्यूसन के 150 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार का जवाब हैदराबाद के युवा भारतीय गेंदबाज उमरान मलिक लगभग इसी गति से देंगे। इस मामले में हालांकि हैदराबाद का पलड़ा थोड़ा भारी दिख रहा है जिसने अपने पिछले मुकाबले में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम को महज 68 रन पर आलआउट कर दिया था। टीम के चारों तेज गेंदबाज शानदार लय में हैं और सभी एक-दूसरे से अलग तरह की गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। दक्षिण अफ्रीका के युवा मार्को जेनसेन (पांच मैच में छह विकेट) के पास उछाल के साथ गेंद को स्विंग करने की क्षमता है तो वहीं उमरान (सात मैच में 10 विकेट) के पास तेज गति है। यार्कर विशेषज्ञ टी नटराजन (सात मैच में 15 विकेट) और अनुभवी भुवनेश्वर कुमार (सात मैच में नौ विकेट) भी बेहतरीन लय में है। टीम की कमजोर कड़ी स्पिन गेंदबाजी है ।

हमेशा से उम्मीद थी कि मुकेश चौधरी बड़े मैचों के लिए बना है : कोच

मुंबई। लगभग 16 साल की उम्र में मुकेश चौधरी ने जब भारतीय टीम के पूर्व चयनकर्ता सुरेंद्र भावे की अकादमी में पहली बार गेंदबाजी की थी तभी उन्होंने अंदाजा लगा लिया था कि यह गेंदबाज खेल के मैदान में लंबा सफर तय करेगा। लगभग आठ साल के बाद 25 साल की उम्र में चौधरी ने सीएसके के लिए आइपीएल के सात मैचों में सात

विकेट लेकर उन्हें सही साबित किया। इस दौरान मुंबई इंडियंस के खिलाफ उन्होंने 19 रन देकर तीन विकेट लिए और टीम की जीत में अहम योगदान देने के साथ मैन आफ द मैच चुने गए। प्रथम श्रेणी के पूर्व खिलाड़ी और पंजाब रणजी टीम के मौजूदा कोच भावे ने कहा, 'जब मैंने अपनी अकादमी में उसे पहली बार देखा था तभी मैंने अपने कोच राजेश माहूरकर से कहा कि इस खिलाड़ी में मुझे प्रथम श्रेणी का क्रिकेटर नजर आ रहा है। वे (अकादमी के कोच) अभी भी विश्वास नहीं कर पा रहे हैं कि मैंने जो भविष्यवाणी की थी वह सच हो गई।' भावे ने उस समय को याद किया जब युवा चौधरी एक-दो अकादमियों से निराशा मिलने के बाद उनके पास आए थे। महाराष्ट्र और पश्चिम क्षेत्र के लिए प्रथम श्रेणी में लगभग 8000 रन बनाने वाले भावे ने कहा, 'मुकेश कुछ अकादमियों में जाने के बाद मेरी अकादमी में आया था। किसी ने उसे सलाह दी थी कि अगर वह बेहतर कोचिंग चाहता है तो उसे हमारी अकादमी से जुड़ना चाहिए। उसका गेंदबाजी एक्शन नैसर्गिक और बेहतरीन था, जिसमें हमने और सुधार किया। उसका शरीर तेज गेंदबाजी के उपयुक्त है। उसने हमारे साथ नियमित तौर पर अभ्यास किया। जब मुझे लगा कि वह अच्छा कर रहा है और उसे एक मंच की जरूरत है, तब मैंने डेक्कन जिमखाना क्लब के अधिकारियों से बात की और उन्हें बताया कि मेरे पास एक बायें हाथ का तेज गेंदबाज है फिर डेक्कन जिमखाना ने उसे अपने साथ जोड़ा।

आर अश्विन ने रचा इतिहास, टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने और तोड़ा इस खिलाड़ी का रिकार्ड

नई दिल्ली। आर अश्विन की बेहतरीन गेंदबाजी का प्रदर्शन आरसीबी के खिलाफ हुए मैच में फिर से दिखा। इस मैच में उन्होंने 4 ओवर में 17 रन देकर तीन विकेट

लिए और टीम को जीत दिलाने में काफी अहम भूमिका निभाई। इस मैच में राजस्थान ने आरसीबी को जीत के लिए 145 रन का लक्ष्य दिया था, लेकिन राजस्थान की घातक गेंदबाजी के सामने आरसीबी 19.3 ओवर में 115 रन बनाकर आल आउट हो गई और इस टीम को 29 रन से हार का सामना करना पड़ा।आर अश्विन ने आरसीबी के तीन मध्यक्रम के बल्लेबाजों को आउट करके इस टीम की कमर तोड़ दी और अपनी टीम की जीत की राह आसान कर दी। हालांकि राजस्थान की तरफ से कुलदीप सेन ने भी शानदार गेंदबाजी की और 4 विकेट लिए, लेकिन अश्विन ने तीन विकेट लेकर नया इतिहास रच दिया। इन तीन विकेट के दम पर अब अश्विन टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। आर अश्विन के अब टी20 क्रिकेट में कुल 271 विकेट हो गए हैं जबकि इससे पहले पीयूष चावला भारत की तरफ से टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का मालमे में पहले नंबर पर थे। अब पीयूष चावला दूसरे नंबर पर खिसक गए हैं और उनके कुल 270 विकेट हैं। वहीं इस मामले में तीसरे नंबर पर युजवेंद्रा चहल हैं जिनके नाम पर टी20 क्रिकेट में कुल 265 विकेट दर्ज हैं। 271 विकेट - आर अश्विन 270 विकेट - पीयूष चावला 265 विकेट युजवेंद्रा चहल आर अश्विन के टी20 क्रिकेट में रिकार्ड की बात करें तो उन्होंने अब तक 272 मैचों में 271 विकेट लिए है और उनका बेस्ट प्रदर्शन 8 रन देकर चार विकेट रहा है। उन्होंने एक मैच में चार विकेट लेने का कमाल चार बार किया है।

भारत में मुझसे जलने वाले लोगों का ग्रुप था जो चाहते थे कि मैं विफल हो जाऊं: रवि शास्त्री

लंदन। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के नए क्रिकेट निदेशक बनाए गए राबर्ट की को सलाह देते हुए कहा है कि इंग्लैंड के इस पूर्व सलामी बल्लेबाज को ड्यूक गेंद की तरह मोटी चमड़ी विकसित करने की जरूरत है, जैसे उन्होंने जलने वाले लोगों का सामना करने के लिए किया था।शास्त्री 2014 से 2021 के बीच एक साल को छोड़कर बाकी समय भारत के कोचिंग स्टाफ के प्रमुख रहे। इस एक साल के दौरान अनिल कुंबले को मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। ब्रिटेन के द गार्जियन समाचार पत्र को दिए साक्षात्कार में शास्त्री ने कहा कि भारत में जलने वाले लोगों का गुट था जो हमेशा चाहता था कि वह विफल हो जाएं। शास्त्री की तरह राबर्ट की भी लंबे समय से प्रतिष्ठित कमेंटेटर हैं और उनके पास कोई कोचिंग डिग्री नहीं है। शास्त्री ने कहा, 'मेरे पास भी कोई कोचिंग डिग्री नहीं थी। लेवल एक? लेवल दो? और भारत जैसे देश में हमेशा आपसे जलने वाले लोग या लोगों का गुट होता है जो चाहते हैं कि आप विफल हो जाओ। मेरी मोटी चमड़ी (लोगों की बातों पर ध्यान नहीं देने वाला) है, आप जिस ड्यूक गेंद का इस्तेमाल करते हैं, उससे भी मोटी।' ब्रिटेन के समाचार पत्र ने इस पूर्व भारतीय मुख्य कोच के हवाले से कहा, 'आपको इसका सहारा लेना होता है। राब (राबर्ट की) जब काम करना शुरू करेंगे तो वह इसे विकसित करना सीखेंगे क्योंकि प्रत्येक दिन आपके काम को लेकर टिप्पणियां होंगी। मुझे खुशी है कि केंट के साथ खेलने के दौरान उन्हें कप्तानी का काफी अनुभव है क्योंकि खिलाड़ियों के साथ संवाद सर्वोच्च होता है।' भारतीय टीम के साथ काम करने के अपने अनुभव के आधार पर शास्त्री का मानना है कि दुनिया भर के क्रिकेट जगत में सभी राष्ट्रीय टीम लगभग एक ही तरह से संचालित होती हैं। शास्त्री ने टीम संस्कृति पर जोर देते हुए कहा कि आस्ट्रेलिया में लगातार दो सीरीज जीतने के दौरान यह भारतीय टीम का अहम हिस्सा थी। उन्होंने कहा, 'इससे पता चलता है कि हम कैसे खेलना चाहते हैं, आक्रामक होकर और विरोधी टीम को कोई मौका नहीं देना, फिटनेस का शीर्ष स्तर, तेज गेंदबाजों का समूह तैयार करना जो विदेशों में 20 विकेट चटका सकें। और यह आपके रवैये से भी जुड़ा है, विशेषकर जब अब आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हैं। मैंने लड़कों से कहा कि अगर आपको एक अपशब्द कहा जाता है तो आप तीन वापस कीजिए, दो हमारी भाषा में और एक उनकी भाषा में।' शास्त्री का मानना है कि राबर्ट की को पूर्व टेस्ट कप्तान जो रूट के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने की जरूरत है जिससे कि समझ सकें कि सारा काम कैसे किया जाता है। शास्त्री का

आरसीबी की फ्लाप बल्लेबाजी, संजू सैमसन ने मारी बाजी और जीत लिया मैच

नई दिल्ली। आइपीएल 2022 के 39वें लीग मैच में रायल चैलेंजर्स बैंगलोर का सामना पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियन पर राजस्थान रायल्स के साथ हुआ। आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसिस ने इस मैच में टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। राजस्थान की टीम ने पहले

बल्लेबाजी करते हुए रियान पराग की नाबाद अर्धशतकीय पारी के दम पर 20 ओवर में 8 विकेट पर 144 रन बनाए और आरसीबी को जीत के लिए 145 रन का लक्ष्य दिया। आरसीबी के बल्लेबाज राजस्थान के गेंदबाजों के सामने पूरी तरह से विवश दिखे और इस लक्ष्य का पीछा नहीं कर पाए। आरसीबी ने 19.3 ओवर में 115 रन बनाए और उसे 29 रन से हार मिली। राजस्थान की तरफ से कुलदीप सेन ने 4 विकेट जबकि आर अश्विन ने 3 विकेट और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लेकर आरसीबी के बल्लेबाजों की पूरी तरह से कमर तोड़ दी और घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। राजस्थान के खिलाफ विराट कोहली को डुप्लेसिस के साथ ओपनिंग के लिए भेजा गया, लेकिन वो यहां भी नहीं चल पाए। वो 9 रन बनाकर प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर रियान पराग के हाथों कैच आउट हो गए। कप्तान फाफ डुप्लेसिस 23 रन बनाकर कुलदीप सेन की गेंद पर जबकि मैक्सवेल को भी कुलदीप सेन ने गोल्डन डक पर आउट कर दिया। रजत पाटीदार को अश्विन ने 16 रन पर बोल्ड कर दिया जबकि प्रभूदेसाई को भी अश्विन ने 2 रन पर रियान पराग के हाथों कैच आउट करवा दिया। दिनेश कार्तिक 6 रन बनाकर रन आउट हो गए। शाहबाज अहमद को अश्विन ने 17 रन पर कैच आउट करवा दिया। हसरंगा 8 रन बनाकर कुलदीप सेन की गेंद पर आउट हुए। मो. सिराज को प्रसिद्ध कृष्णा ने 5 रन पर कैच आउट कर दिया। हर्षल पटेल 8 रन बनाकर कुलदीप सेन का शिकार बने। राजस्थान की तरफ से कुलदीप सेन ने 3.3 ओवर में 20 रन देकर 4 विकेट हासिल किए और सबसे बेहतरीन गेंदबाजी की। राजस्थान को पहला झटका मो. सिराज ने देवदत्त पडीक्कल को आउट करके दिया। पडीक्कल 7 रन बनाकर सिराज की गेंद पर पगबाधा आउट हुए। आर अश्विन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे थे, लेकिन उन्हें सिराज ने 17 रन कप अपनी ही गेंद पर कैच लेकर आउट कर दिया। वहीं राजस्थान के लिए इस सीजन में तीन शतक लगाने वाले धाकड़ बल्लेबाज जोस बटलर इस मैच में नहीं चल पाए और उन्हें हेजलवुड ने 8 रन के स्कोर पर सिराज के हाथों कैच आउट करवा दिया। कप्तान संजू सैमसन ने 27 रन की पारी खेली और हसरंगा की गेंद पर बोल्ड आउट हो गए। डेरिल मिचेल को हेजलवुड ने 16 रन पर कैच आउट करवा दिया। हेटमायर भी हसरंगा का शिकार बने और 3 रन बनाकर कैच आउट हो गए।

शिखर धवन ने बताया कि आखिर क्यों वो चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेल पाए इतनी अच्छी पारी

नई दिल्ली। चेनन्ई सुपर किंग्स के खिलाफ पंजाब किंग्स के ओपनर बल्लेबाज शिखर धवन ने बेहद धैर्य के साथ बल्लेबाजी की और 88 रन बनाकर नाबाद पवेलियन लौटे। टीम के लिए ओपनिंग करने आए धवन की पारी के दम पर ही पंजाब का स्कोर 187 तक पहुंचा और इस टीम को 11 रन जीत मिली। धवन को इस मैच में उनकी इस अच्छी पारी के लिए प्लेयर आफ द मैच भी चुना गया। धवन सीएसके के खिलाफ क्यों इस मैच में इतनी अच्छी पारी खेल पाए इसके बारे में उन्होंने खुद खुलासा किया। आइपीएल की वेबसाइट पर जारी वीडियो में शिखर धवन ने टीम के अपने साथी अर्शदीप सिंह से बातचीत में कहा कि गेंद शुरुआत में थोड़ी रुक कर आ रही थी इसलिए शाट खेलने में परेशानी हो रही थी। ऐसे में मै धैर्य से खेल रहा था। एक बार जब सामंजस्य बन गया तब एक-दो ओवर ऐसे आये जिसमें हमने ज्यादा रन बनाए। किसी एक गेंद को निशाना बनाने के बारे में पूछे जाने पर धवन ने कहा कि किसी खास गेंदबाज के खिलाफ आक्रामक रूख अख्तियार करने की सोच नहीं थी। हां मेरे ध्यान में छोटी बाउंड्री थी, मैं उस ओर ज्यादा रन बनाने की कोशिश कर रह था लेकिन मैदान में समय बिताने के बाद बड़ी बाउंड्री की ओर भी रन बनाए।

राशिफल

मेष-:आपको रुका हुआ धन मिलेगा और आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. घर में कुछ बदलाव आपको काफी भावुक कर सकते हैं, लेकिन जो आपके लिए खास हैं, उनके सामने आप अपनी भावनाओं का इजहार कर पाएंगे।

वृष-:आज आपका मन पूजा-पाठ में अधिक लगेगा. आज आप अपने माता-पिता के साथ मंदिर जाने की योजना बना सकते हैं। कई दिनों से चली आ रही परेशानियां आज खत्म हो सकती हैं।

मिथुन-:परिवार के लिए आज का दिन शुभ है। आत्म विश्वास में वृद्धि होगी। बहुत उत्साहित रहेंगे। साहसिक कार्य करने से बचें। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

कर्क-:आपके घर से जुड़ा निवेश फायदेमंद रहेगा। अपने करीबी लोगों के सामने ऐसी बातें उठाने से बचें, जो उन्हें दुखी कर सकती हैं। प्रेम की दृष्टि से आज का दिन बेहद खास रहेगा।

सिंह-:आज का दिन लाभकारी रहेगा. आज आपके दोस्त आपके रुके हुए काम में आपकी मदद करेंगे। आज आपके शत्रु आपसे दूरी बनाए रखेंगे। आज आपको अपने किसी करीबी से खुशखबरी मिल सकती है।

कन्या-:आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं. जल्दबाजी में निर्णय न लें। व्यापार और व्यापार के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।

तुला-:आपके घर से जुड़ा निवेश फायदेमंद रहेगा. यदि बातचीत और चर्चा आपके अनुसार नहीं है तो आप गुस्से में कड़वी बातें कह सकते हैं, जिसके बारे में आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।

वृश्चिक-:आज आपका दिन राहत भरा रहने वाला है. आज आपके पारिवारिक जीवन में उत्साह का माहौल रहेगा। इस राशि के शायरों के लिए आज का दिन बेहद अहम रहने वाला है। आज आपको अपनी प्रतिभा का पुरस्कार भी मिल सकता।

धनु-:आज का दिन नया काम शुरू करने के लिए शुभ समय है. परिवार के सदस्यों के साथ मतभेद दूर कर आप अपने उद्देश्यों को आसानी से पूरा कर सकते हैं। प्रिय व्यक्ति से मेल-मिलाप होगा।

मकर-:आज का दिन विशेष है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण कार्य करने की क्षमता देगा. यदि आप आय में वृद्धि के स्रोतों की तलाश कर रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें।

कुंभ-:आज भाग्य साथ देगा. ऑफिस में आज का काम इस राशि के बिजनेसमैन को ज्यादा फायदा देने वाला है। यदि आप कोई नया व्यवसाय शुरू करने की सोच रहे हैं तो आज का दिन शुभ है। धन के साथ सुख आएगा।

मीन-:आज निर्णय न ले पाने के कारण नए कार्यों की शुरुआत करना आपके लिए शुभ नहीं है. आज आप रिश्ते में औपचारिकता बनाए रखेंगे, अन्यथा मनमुटाव होने की संभावना है। मनोबल से सभी कार्य पूर्ण होंगे।

सम्पादकीय

भारत को बदनाम करने की कोशिश

पिछले दिनों न्यूयार्क टाइम्स में प्रकाशित एक रिपोर्ट में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूयूएचओ) के हवाले से कहा गया कि भारत विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा कोविड संक्रमण के कारण होने वाली मौतों के सही आकलन में अवरोध उत्पनन्‍ कर रहा है। उस रिपोर्ट को आधार बनाकर विपक्षी दल के नेता राहुल गांधी ने कहा कि कोविड के कारण देश में 40 लाख मौतें हुई हैं, जबकि सरकार द्वारा मात्र पांच लाख मौतों का आंकड़ा बताया जा रहा है। हालांकि केंद्र सरकार ने उस रिपोर्ट पर गहरी आपत्ति दर्ज की। उसने कहा कि न्यूयार्क टाइम्स को डब्लूयूएचओ के भारत के संदर्भ में तो आंकड़े प्राप्त हो गए, लेकिन अन्य देशों के क्यों नहीं? कहीं ऐसा तो नहीं कि भारत को बदनाम करने की नीयत से डब्लूयूएचओ के आंकड़ों को शरारतपूर्ण ढंग से उपयोग किया जा रहा है। आज पूरी दुनिया भारत के कोरोना रोधी टीकाकरण अभियान का लोहा मान रही है। ऐसे में लगता है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के कुछ अधिकारी जानबूझकर भारत के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन और उपलब्धि को कम दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए वे कोविड के कारण भारत में होने वाली मौतों के सरकार द्वारा प्रकाशित आंकड़ों पर प्रशन्‍चिन्ह लगा रहे हैं। यह सही है कि डब्लूयूएचओ पूरे विश्व में ही कोविड के कारण होने वाली मौतों का आंकड़ा अभी तक के घोषित आंकड़ों से ज्यादा आंक रहा है, लेकिन भारत के मामले में तो यह बहुत ज्यादा बढ़ाकर बताया जा रहा है। गौरतलब है कि न्यूयार्क टाइम्स ने डब्लूयूएचओ के हवाले से यह कहा है कि अभी तक यह बताया जा रहा था कि दुनिया में कुल 60 लाख लोग कोविड के कारण मृत्यु को प्राप्त हुए हैं, लेकिन वास्तव में यह आंकड़ा 150 लाख का है। जाहिर है यह सभी देशों द्वारा अलग-अलग घोषित आंकड़ों के दोगुने से भी ज्यादा है। इस 90 लाख अतिरिक्त लोगों की मौत के आंकड़े में अकेले 35 लाख मौतों को भारत के हिस्से में दर्शाया गया है। डब्लूयूएचओ के इस कृत्य की केंद्र सरकार द्वारा उचित ही आलोचना की गई है। भारत सरकार ने कहा है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मौतों के आंकड़े जुटाने के लिए दोहरे मापदंड अपनाए हैं। जहां एक प्रकार के देशों में सीधे मौत के आंकड़े लिए गए हैं, जबकि दूसरे प्रकार के देशों में मौतों का निर्धारण करने के लिए गणितीय प्रक्रिया अपनाई गई है, जिसमें भारत भी शामिल है। सरकार ने कहा है कि मुल्कों को दो भागों में विभाजित करने के संबंध में कोई कारण नहीं दिया गया है। मोदी सरकार ने आगे कहा है कि जो गणितीय माडल दूसरे प्रकार के देशों के लिए अपनाया गया है, उसे पहले प्रकार के देशों पर लागू करके प्रमाणित करने की जरूरत है, जो डब्लूयूएचओ नहीं कर रहा है। भारत सरकार ने कहा है कि उसने इस प्रक्रिया के संबंध में कई बार अपनी आपत्ति दर्ज कराई, जिसका डब्लूयूएचओ ने कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया। डब्लूयूएचओ का गड़बड़झाला : विश्व स्वास्थ्य संगठन संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में एक ऐसा संगठन है जिस पर दुनिया के स्वास्थ्य की सुरक्षा का दायित्व है। उससे यह अपेक्षा है कि दुनिया के किसी भी हिस्से में स्वास्थ्य आपदा आने पर उसके लिए स्वयं भी उचित कदम उठाए और संबंधित देशों की सरकारों को भी सही उपायों को अपनाने के लिए सलाह दे। शायद इसी बात का हवाला देते हुए डब्लूयूएचओ का यह तर्क है कि कोविड के दौरान होने वाली मौतों के सही आकलन से भविष्य में इस प्रकार की महामारी के संदर्भ में सही नीतियों को बनाने में मदद मिलेगी। हालांकि इस तर्क में कोई गलती नहीं है, लेकिन महामारी के दौरान ही डब्लूयूएचओ अपने कुछ कृत्यों के कारण विवादों में रहा है। सर्वप्रथम डब्लूयूएचओ ने कोरोना संक्रमण के कारण के आकलन में ईमानदारी का परिचय नहीं दिया था। गौरतलब है कि 14 जनवरी, 2020 को डब्लूयूएचओ ने एक ट्वीट कर कहा कि कोरोना संक्रमण का मानव से मानव में फैलने का कोई खतरा नहीं है। हालांकि यह संक्रमण सितंबर 2019 से ही फैल रहा था। डब्लूयूएचओ के इस ट्वीट ने दुनिया भर के देशों को भ्रमित कर दिया कि यह मानव से मानव में नहीं फैलेगा। सभी देशों ने अपनी अंतरराष्ट्रीय यात्री विमानों की उड़ानों को यथावत रखा। डब्लूयूएचओ की इस कोताही के चलते चीन के वुहान का यह वायरस दुनिया भर में भीषण तबाही का कारण बन गया। बहुत समय बाद में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर परीक्षण शुरू किया गया। साथ ही एकांतवास की प्रक्रिया भी अपनाई गई। यही नहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन ने यह बात भी छिपाने की कोशिश की कि कोरोना संक्रमण चीन की वुहान प्रयोगशाला से उत्पन्न हुआ है।

समाज का दोष सरकारों के सिर पर, संकीर्ण सोच से मुक्ति पाना आवश्यक

यह देखना दुखद है कि दलितों के साथ दुर्व्?यवहार की वैसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं, जैसी थम जानी चाहिए। बतौर उदाहरण बीते दिनों राजस्थान के जालौर जिले में एक दलित दंपती को मंदिर में पूजा करने से रोक दिया गया। चूंकि इस घटना का वीडियो वायरल हो गया तो पुलिस हरकत में आई और पुजारी को गिरफ्तार कर लिया गया। इस घटना को अपवाद के तौर पर नहीं देखा जा सकता, क्योंकि ऐसी घटनाएं देश के विभिनन्‍ हिस्सों में रह-रहकर होती ही रहती हैं। वे कभी सुखिर्‍यां बनती हैं और कभी नहीं। कभी दलित दूल्हे को घोड़ी पर नहीं चढ़ने दिया जाता तो कभी उसकी बारात नहीं निकलने दी जाती। बीते सप्ताह ही यूपी के बुलंदशहर जिले के एक गांव में दलित दूल्हे की घुड़चढ़ी के वक्त पुलिस को उपस्थित रहना पड़ा और वह भी तब, जब दूल्हा खुद होता और यह भी शिकायत नहीं होती कि उसने समय पर सही कार्रवाई नहीं की, उनमें भी उसे और संबंधित राज्य की सरकार को खरी-खोटी सुनाई जाती है। ऐसा करते हुए यह भी देखा जाता है कि राज्य विशेष में किस दल की सरकार है। इसे वे भी देखते हैं, जो स्वयं को दलित हितों के लिए सदैव समर्पित और सक्रिय दिखाते हैं। निःसंदेह राज्य सरकारों एवं उनके पुलिस प्रशासन को इसके लिए और सजग रहना चाहिए कि दलित या किसी भी कमजोर, वंचित तबके के व्यक्ति के साथ किसी भी तरह का भेदभाव न हो, लेकिन इतनी ही जिम्मेदारी समाज की भी तो है। क्या जालौर अथवा बुलंदशहर में जो कुछ हुआ, उसे रोकने के लिए सबसे पहले संबंधित गांव के असरदार लोगों को आगे नहीं आना चाहिए था? आखिर कहां थे ब्लाक, पंचायत सदस्य और प्रधान

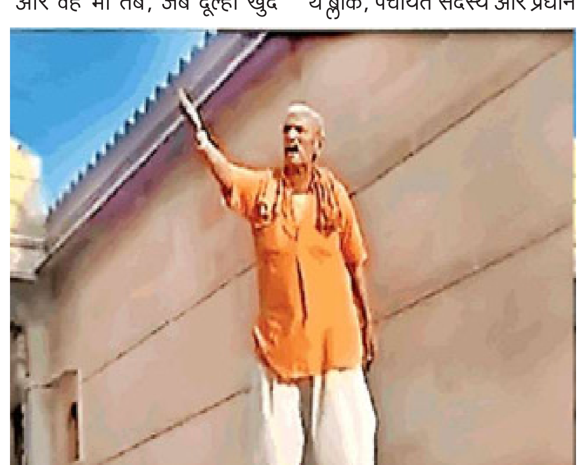

सीआरपीएफ में सिपाही है। उसने आशंका जताई थी कि उसे घुड़चढ़ी से रोका जा सकता है। इस आशंका का कारण अतीत में हुई ऐसी ही एक घटना है, जिसमें एक व्यक्ति की जान चली गई थी। संयोग से पुलिस ने गंभीरता और तत्परता दिखाई और सब कुछ शांति से निपट गया। सदैव ऐसा नहीं होता, क्योंकि कभी-कभार पुलिस शिकायत को गंभीरता से नहीं लेती या फिर उसके पास मामला पहुंचने के पहले ही अनहोनी हो जाती है। पुलिस के पास मामला जाए और वह कुछ न करे तो उसकी निंदा समझ में आती है, लेकिन आम तौर पर दलितों के साथ बुरे व्यवहार की जिन घटनाओं से पुलिस प्रशासन का कोई लेना-देना नहीं जी? इसी तरह क्या उन लोगों को सक्रिय नहीं होना चाहिए था, जो हिंदू समाज की एका की बात करते हैं और इस पर जोर देते हैं कि दलित, आदिवासी आदि हिंदू समाज का अविभाज्य अंग हैं? सवाल यह भी है कि धर्मगुरु गांव-गांव जाकर इसके लिए कोई अलख क्यों नहीं जगाते कि दलितों, आदिवासियों के साथ वैसा व्यवहार नहीं होना चाहिए, जैसा होता है और जो सभ्य समाज को शर्मिंदा करने के साथ हिंदू समाज को कमजोर करने का काम करता है समाज सुधार का काम केवल शासन-प्रशासन पर नहीं छोड़ा जा सकता। यह काम समाज और विशेष रूप से सामाजिक एवं धार्मिक नेताओं को भी करना होगा। इसलिए और भी, क्योंकि आजादी के बाद राजनीतिक दलों के एजेंडे से समाज सुधार बाहर हो गया है। आखिर हमारे घोषित-अघोषित शंकराचार्य और अन्य धर्मगुरु करते क्या हैं? क्या वे भी सरकारों के भरोसे हैं? क्या उन्हें नहीं पता कि दलितों की अनदेखी-उपेक्षा को रह-रहकर बयान करने वाली घटनाएं हिंदू समाज की एकता को क्षति पहुंचाने के साथ उन तत्वों को बल भी प्रदान करती हैं, जो यह शरारतपूर्ण अभियान छेड़े हुए हैं कि दलित-आदिवासी तो हिंदू हैं ही नहीं। यह एक खतरनाक अभियान है। यह एक हद तक सफल होता दिखता है और इसी कारण मीडिया के साथ अन्य मंचों पर दलितों का उल्लेख इस तरह होने लगा है, जैसे वे हिंदू समाज का हिस्सा ही न हों। इस अभियान के अलावा एक अन्य अभियान दलित-मुस्लिम एका के नाम पर चल रहा है। यह भी वैसा ही खोखला-फर्जी अभियान है, जैसा मुहम्मद अली जिनन ने बंगाल के नेता जोगेंद्र नाथ मंडल के साथ मिलकर चलाया था। जिनन के छल का शिकार जोगेंद्र नाथ मंडल तो हुए ही, जो शर्मिंदा होकर कलकत्ता लौटे और गुमनामी में मर गए, बांग्लादेश के करोड़ों दलित हिंदू आज भी हो रहे हैं। दलितों के साथ दुर्व्?यवहार की उन घटनाओं पर भी शासन-प्रशासन को कठघरे में खड़ा करना राजनीतिक उद्देश्यों अथवा अन्य किसी एजेंडे को पूरा करने में तो मददगार हो सकता है, जिनमें उनकी कोई भागीदारी अथवा गलती नहीं होती, लेकिन ऐसा करने से समाज को चेताने और उसे उसकी जिम्मेदारी का अहसास कराने का उद्देश्य कहीं पीछे छूट जाता है। जहां शासन-प्रशासन की गलती हो, वहां उसे कठघरे में खड़ा ही किया जाए, लेकिन जहां गलती समाज की हो, वहां उसे भी इसका आभास कराया जाना आवश्यक है। वास्तव में यह काम केवल दलितों, आदिवासियों के साथ होने वाली घटनाओं पर ही नहीं, महिलाओं से छेड़छाड़ और दुष्कर्म के मामलों में भी होना चाहिए। इस तरह की घटनाएं पुलिस की सजगता के अभाव में कम, लोगों की उस मानसिकता के कारण अधिक होती हैं, जिसके तहत वे लड़कियों-महिलाओं को नीची निगाह से देखते हैं। इस अपेक्षा में कोई हर्ज नहीं कि सरकारों को समाज सुधार के लिए और सक्रिय होना चाहिए, लेकिन समाज की गलती केवल शासन-प्रशासन के सिर मढ़ने से बात बनने वाली नहीं है।

हमारे बुजुर्ग ही हमारी नींव हैं और उनकी देखभाल और खुशी एक राष्ट्र के रूप में हमारा दायित्व

मैं जब भी फ्लाइट पकड़ने के लिए दिल्ली एयरपोर्ट जाता हूं तो दो तस्वीरें मेरा ध्यान खींच लेती हैं। पहली तस्वीर उस विशालकाय, बहुमंजिला विश्वस्तरीय इमारत की दिखती है, जिसे हम भारत के शानदार विकास के एक प्रतीक के रूप में देखते हैं। दूसरी तस्वीर मैं अक्सर उन बुजुर्ग दंपत्तियों की देखता हूं, जो सुरक्षा, बैगेज और बोर्डिंग की कतारों से गुजरते हुए अपने बैग को पकड़े, लंबे-लंबे कारिडोर और कतारों में आगे बढ़ने का संघर्ष करते नजर आते हैं। प्रवेश के समय मौसम की बेरहमी से लेकर पहली बार एस्केलेटर और आटोमेटिक वाक-

वे का इस्तेमाल करने के डर तक, उनका संघर्ष वहां साफ दिखता है। चमक-दमक भरा यह नया भारत पुराने भारत के ही खून-पसीने से बना है। ये पुराना भारत ही था, जो गड्ढों से भरी सिंगल रोड पर साइकिलों और स्कूटरों से अपना कर्तव्य किसी धर्म की तरह निभाने की मशक्कत करता था। बच्चों के भविष्य की खातिर पैसे बचाने के लिए वह अपने खर्चे कम करता था। अपने ऐशो-आराम पर विराम लगाकर 'नए भारत' के लिए किताबें, कंप्यूटर और उपकरण जुटाता और महंगे स्कूल की फीस भरता था। यह धरती के नीचे छिपे उन्हीं संघर्षी की नींव है, जिस पर नया भारत खड़ा है। हम अक्सर भारत के युवाओं की प्रशंसा करते हैं, लेकिन उतना ही अधिक हम बुजुर्ग भारत के बेहिसाब बलिदानों को अनदेखा करते हैं, जबकि उन्होंने ही वह बुनियादी संरचना बनाई, संस्थान स्थापित किए, परिवारों की परवरिश की, हमारे सबसे मुश्किल वक्त से लड़े और इसके बावजूद एक बेहतर भारत की उम्मीद नहीं छोड़ी। आज भारत में करीब 14 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिनकी उम्र 60 वर्ष से अधिक है। वे ऐसे माता-पिता, दादा-दादी और नाना-नानी हैं, जिन्होंने इस देश के विकास की गति को बनाए रखा। 2031 तक यह संख्या लगभग 20 करोड़ हो जाएगी। यानी प्रत्येक सातवां भारतीय इस आयु वर्ग का हिस्सा होगा। ऐसे में हमें उनकी समस्याओं का अभी से समाधान करने की दिशा में सक्रिय होना पड़ेगा। उनसे जुड़ी समस्याएं भी नाना प्रकार की हैं। प्रत्येक तीन में से दो बुजुर्ग किसी लंबी या असाध्य बीमारी से पीडि.त हैं। तीन में से एक अवसाद का शिकार है। प्रत्येक चार में से एक मामले में यही सामने आता है कि उन्हें चलने-फिरने में परेशानी होती है। कभी-कभी वे घर में ही गिर जाते हैं। कई मामलों में तो इस कारण मौत तक हो जाती है। ऐसे में अब इस सच्चाई का सामना करने का वक्त आ गया है कि न्यू इंडिया अपनी सोच-समझ और ऊर्जा का इस्तेमाल कर भारत को अपने अभिभावकों के अनुकूल बनाए। इसके लिए पांच सूत्रीय रणनीति खासी उपयोगी सिद्ध होगी। सबसे पहले, हमें यह समझना होगा कि एयरपोर्ट जैसी सार्वजनिक जगहों पर और घर जैसे निजी स्थानों पर बुजुर्गो के सामने कौन-कौन सी समस्याएं आती हैं। विशेषकर सार्वजनिक स्थलों का इस प्रकार आडिट करना होगा कि वे बुजुर्गो के कितने अनुकूल हैं। दूसरा, अपनी मेडिकल और नर्सिंग शिक्षा में हमें बुजुर्गो की देखभाल को एक अलग विषय के रूप में प्रोत्साहन देने की जरूरत है। इसमें मानसिक और भावनात्मक सहयोग के साथ ही बुढ़ापे के प्रति सम्मान पर जोर देना भी आवश्यक है। कोरोना संक्रमण जब चरम पर था, तब कई बुजुर्ग नागरिकों को वायरस के कारण अपने साथियों को गंवाने का दुख ढ़ोलना पड़ा। उस समय बुजुर्गो की मौत से जुड़ी खबरें बहुत आम थीं। शारीरिक स्वास्थ्य, नौकरी से रिटायरमेंट, बच्चों का उनसे बहुत दूर रहना, उम्र के कारण लाचारियां, संगठित समुदायों की कमी एवं कुछ बच्चों द्वारा दुर्व्?यवहार से उनकी भावनात्मक स्थिति और बिगड़ जाती है। इन सभी समस्याओं का हल मनोवैज्ञानिक और सामाजिक समस्याओं की तरह निकालना होगा। तीसरा, बुजुर्गो के प्रति संवेदनशीलता और उनकी देखभाल स्कूली स्तर से ही हमारी शिक्षा में शामिल होनी चाहिए। हमारी मूल्य प्रणाली बुजुर्गो के प्रति सम्मान के आधार पर बनाई गई थी और उसे हमारे स्कूलों, हमारी फिल्मों और साहित्य के जरिये फिर से मजबूती देनी होगी। हाल में पद्म पुरस्कार पाने वालों में काशी के 125 वर्षीय योग गुरु स्वामी शिवानंद और 65 वर्षो तक वृक्षारोपण करने वाली 107 वर्षीय थिमक्का से युवाओं को परिचित कराना होगा, ताकि वे इन बुजुर्गो का सम्मान करें। आज की पीढ़ी को यह मालूम होना चाहिए कि जिन सुख-सुविधाओं को वे भोग रहे हैं, वे आखिर किनकी देन हैं चौथा, हमें ऐसे बुजुर्गो के लिए फिर से रोजगार अथवा सक्रिय रहने के विकल्प तलाशने होंगे, जिससे वे अर्थव्यवस्था में योगदान कर सकें। उनमें ऐसी ऊर्जा और दशकों का अनुभव है, जो महत्वपूर्ण है, किंतु उसका प्रयोग नहीं हो पाता है और उसका उपयोग देश के विकास के लिए किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, सेवानिवृत्त समुदाय की मदद शिक्षा क्षेत्र में लेने के लिए अवसरों की तलाश होनी चाहिए। देश के स्कूलों में लगभग 19 प्रतिशत या 11.16 लाख शिक्षकों के पद खाली हैं। ग्रामीण इलाकों में यह आंकड़ा करीब 69 प्रतिशत तक है। इसी प्रकार, अकाउंट्स, मेडिसिन और कानून के क्षेत्र में रिटायर्ड कर्मचारी महत्वपूर्ण बदलाव ला सकते हैं। बशर्ते हम उनसे काम लेने के लिए माडल तैयार कर लें। यह बुजुर्गो में संतुष्टि और पहचान की भावना उत्पनन्‍ करने के साथ ही हमारी जीडीपी को भी विस्तार देगा। पांचवां, उपरोक्त सुझावों को मूर्त रूप देने के लिए, हमें केंद्र और राज्यों के स्तर पर बुजुर्गो के कल्याण के लिए एक अलग मंत्रलय बनाने की जरूरत है। इस मंत्रलय के पास एक ऐसे नए भारत को स्वरूप देने के लिए जरूरी शक्तियां और संसाधन होने चाहिए, जो अपने बुजुर्गो का भलीभांति ख्याल रखता हो। बुजुर्गो का जीवन स्तर सुगम बनाने के लिए सरकार ने अपने स्तर पर कुछ प्रयास भी किए हैं, जैसे केंद्र सरकार ने बजट में प्रविधान किया कि पेंशन और ब्याज से होने वाली आय पर निर्भर वरिष्ठ नागरिकों को आयकर रिटर्न फाइल करने की जरूरत नहीं। करुणा और संवेदनशीलता से भरे ऐसे और प्रयास आवश्यक हैं।

देश में आय की असमानता को पाटने के साथ साथ गरीबी के खिलाफ जंग में मिलती कामयाबी

दुनिया में लगातार बढ़ती आर्थिक विषमता हर किसी के लिए चुनौती है। यह शिकायत अनवरत कायम रही है कि दुनिया भर में अमीर लगातार ज्यादा अमीर तथा गरीब और ज्यादा गरीब होते जा रहे हैं। भारत और इस जैसे विकासशील देशों का हाल और भी बुरा बताया जाता रहा है। गरीबी उन्मूलन की दिशा में काम करने वाली संस्था 'आक्सफैम' कुछ साल पहले अपनी रिपोर्ट 'ऐन इकोनामी फार द 99 परसेंट' में बता चुकी है कि दुनिया की एक फीसद सबसे अमीर आबादी की संपत्ति का आंकड़ा बाकी 99 फीसद आबादी की कुल संपत्ति से भी ज्यादा है। भारत में इस तथ्य ने एक स्थापित राय की पदवी पा ली है कि हमारे यहां गरीबी-अमीरी की खाई कुछ ज्यादा ही चौड़ी है, पर हाल में विश्व बैंक की एक रिपोर्ट में इस राय के उलट निष्कर्ष निकलकर सामने आए हैं। कहा गया है कि वर्ष 2011 से 2015 के बीच भारत में ग्रामीण गरीबी की दर 26.3 प्रतिशत से घटकर 21.9 फीसद पर आ गई। इस तरह इसमें कुल 4.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वर्ष 2015 से 2019 के बीच ग्रामीण गरीबी इससे भी तेज रफ्तार यानी 10.3 फीसद से घटी और 11.6 फीसद पर आ गई। छोटी जोत वाले किसानों की आय में तेज वृद्धि हुई है, जो ज्यादा उल्लेखनीय है। निश्चय ही ये आंकड़े कोरोना से उत्पनन्‍ महामारी कोविड से पहले के हैं, पर इनसे देश से गरीबी के उन्मूलन के प्रयासों की सार्थकता उजागर होती है। सरकारी योजनाओं की भूमिका : देश में गरीबी में कमी आने के पीछे के कारणों की पड़ताल बताती है कि इसमें सबसे उल्लेखनीय भूमिका उन सरकारी योजनाओं की है, जिनका उद्देश्य देश में आय की असमानता को पाटने के साथ-साथ गरीबों का जीवन स्तर ऊपर उठाना भी है। विश्व बैंक से पहले कुछ ऐसे ही संकेत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) भी दे चुका है। आइएमएप की रिपोर्ट 'महामारी, गरीबी और असमानता : भारत से मिले साक्ष्य' में कहा गया है कि 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अनन्‍ योजना के फलस्वरूप भारत में अत्यधिक गरीबी का स्तर 0.8 फीसद पर आ गया है।' आइएमएफ का यह आकलन वर्ष 2004-05 से कोराना वाले वर्ष 2020-21 तक का है। हालांकि इससे इन्कार नहीं है कि कोरोना के दो वर्षो के अंतराल में गरीबी कम करने के प्रयासों को एक झटका लगा होगा, लेकिन इसके आंतरिक पहलुओं की पड़ताल से पता चलता है कि पलायन आदि कारणों से जो कामगार तबका शहरों से विस्थापित होकर गांव-देहात में पहुंचा है, वह एकदम विपनन्‍ नहीं है। बल्कि शहरों में कमाई गई पूंजी के बल पर वह ग्रामीण अंचलों में जरूरी सुविधाएं जुटाने में सफल रहा है। आइएमएफ का कहना है कि भारत में गरीबों को मुफ्त अनाज देने की योजना ने महामारी से प्रभावित वर्ष 2020 में ही अत्यधिक गरीबी को बिल्कुल निचले स्तर पर कायम रखने में भरपूर मदद की है। इस तरह की सब्सिडी के असर से आय की असमानता पिछले 40 वर्षो के इतिहास में सबसे निचले पायदान पर पहुंच गई है। ध्यान रहे कि वास्तविक असमानता गिनी सूचकांक के आधार पर मापी जाती है। गिनी सूचकांक में आबादी के बीच आय वितरण को नापा जाता है। प्रायः यह 0 से 1 तक होता है, जिसमें 0 किसी देश या समाज में पूर्ण समानता का प्रतिनिधित्व करता है और 1 पूर्ण असमानता का प्रतिनिधित्व करता है। इस संदर्भ में यदि विश्व बैंक की परिभाषा को लागू करें तो प्रति दिन 1.9 डालर से कम में जीवन यापन करने वाले लोग अत्यधिक गरीबी की श्रेणी में आते हैं। इसका अभिप्राय यह निकलता है कि भारत में अत्यधिक गरीबी में जीवन बिताने वालों की संख्या में अब कमी आ रही है। भारत और भारतीयों के नजरिये से यह सच में एक बड़ी राहत भरी खबर है कि देश में अत्यधिक गरीबी तेजी से घट रही है। गांवों में आती खुशहाली : विश्व बैंक और आइएमएफ की रिपोर्ट में शहरों के मुकाबले गांव-देहात में आ रहे बदलावों को खास तौर से नोटिस किया गया है। जैसे विश्व बैंक के अनुसार वर्ष 2011 से 2019 के बीच शहरी इलाकों में गरीबी सिर्फ 7.6 फीसद घटी, जबकि इसी

अवधि में ग्रामीण इलाकों में गरीबी 14.7 प्रतिशत घट गई। ग्रामीण इलाकों में जिन किसानों के पास खेती के लिए कम जमीन (छोटी जोत) थी, उनकी आय में आश्चर्यजनक रूप से इजाफा हुआ। ऐसे किसानों की वास्तविक आय 2013 और 2019 के बीच सालाना आधार पर 10 फीसद की दर से बढ़ी। जबकि बड़ी जोत वाले किसानों की आय इसी अवधि में केवल दो फीसद की दर से बढ़ी। गरीबों की आय में बढ़ोतरी के ये संकेत सुखद हैं, लेकिन यहां दो-तीन बातों का ध्यान रखना जरूरी है। एक तो यह है कि इन रिपोर्ट में दिए गए तुलनात्मक आंकड़े कोरोना वायरस से उत्पनन्‍ हालात से ठीक पहले तक के हैं। ऐसे में बहुत संभव है कि बीते दो वर्षो में शहरी और ग्रामीण गरीबी की स्थिति में कुछ ऐसा परिवर्तन आया हो, जो ज्यादा सकारात्मक न हो, लेकिन यह भी संभव है कि ये आंकड़े जिन रुझान को दर्शा रहे हैं, उनमें ज्यादा तब्दीली नहीं हुई हो। ऐसे में गरीबों की आय और स्थितियों में निरंतर सुधार आ रहा होगा। फिर भी ध्यान में रखने योग्य जो दो अन्य बातें हैं, उनमें से एक यह है कि कोरोना काल के दौरान पूरी दुनिया में 7.7 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी की हालत में चले गए हैं। विश्व बैंक और आइएमएफ से उलट संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2019 में दुनिया में 81.2 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी की हालत में थे। ऐसे लोग रोजाना 1.90 डालर या उससे कम कमा रहे थे। कोविड महामारी के दो साल दौरान वर्ष 2021 तक ऐसे लोगों की संख्या बढ़कर 88.9 करोड़ हो गई है। इन स्थितियों को रूस-यूक्रेन संघर्ष ने और जटिल बना दिया है, क्योंकि इससे पूरी दुनिया में 1.7 अरब लोगों को भोजन, ऊर्जा और खाद की ऊंची कीमतें चुकाने के लिए विवश होना पड़ रहा है। इन बदली स्थितियों के चलते वर्ष 2022 के आखिर तक विकासशील देशों में प्रति व्यक्ति जीडीपी वर्ष 2019 से पहले के स्तर पर लौट सकती है। यही नहीं, यूक्रेन-रूस के बीच जारी जंग के कारण पड़ने वाले प्रभावों के अतिरिक्त असर भी होंगे, जिससे स्थितियां विकट हो सकती हैं। इन सबके बावजूद भारत जैसी अर्थव्यवस्थाएं गरीबों की दशा सुधारने में एक उम्मीद जगा रही हैं। इसकी वजह गरीबी से लड़ने के उपायों पर गंभीरता से अमल किया जाना है। गरीबों को मुफ्त राशन, मनरेगा, उज्ज्वला, प्रधानमंत्री आवास योजना आदि के कारण देश में गरीबों की आय में बढ़ोतरी हो रही है और आय की असमानता कम हो रही है। साथ ही देश अब एक बड़ी आर्थिक हैसियत वाला मुल्क बनने की ओर भी बढ़ रहा है। इसकी पुष्टि हाल में इंटरनेशनल प्रोफेशनल सर्विस प्रोवाइडर कंपनी- पीडब्लूयूसी ने अपनी रिपोर्ट 'द वर्ल्ड इन 2050' में कहा है कि वर्ष 2050 तक यदि चीन दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा तो भारत का स्थान उसके ठीक बाद यानी दूसरा होगा। इसका अभिप्राय यह है कि अगले 28 वर्षो में भारत से गरीबी का संपूर्ण सफाया हो जाएगा। अक्सर कहा जाता है कि अगर गरीब व्यक्ति अक्लमंदी से काम करे तो उसे अमीर बनने से नहीं रोका जा सकता है। इस उक्ति का विरोधाभास यह है कि जो लोग अमीर हैं, उनमें से बहुतों का रिश्ता पढ़ाई-लिखाई के बजाय कारोबारी समझ से ज्यादा होता है। विज्ञान ने इस रिश्ते को समझने की कोशिश की है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कुछ लोग तमाम अक्लमंदी और शिक्षा-दीक्षा के बावजूद गरीब क्यों रह जाते हैं? इसी तरह जिन्हें अपनी अमीरी के बल पर हर सुविधा मिलती है, वे अपनी जिंदगी में अक्ल के मामले में पिछड़ क्यों जाते हैं? कुछ समय पहले नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री जेम्स हैकमैन ने अपने कुछ सहयोगियों के साथ मिलकर इससे संबंधित एक शोध किया। उस शोध में वे जिन नतीजों पर पहुंचे, वे दिलचस्प हैं। वह शोध हमें न सिर्फ अमीर बनने का, बल्कि जीवन के अन्य क्षेत्रों में सफलता का राज भी समझाता है। असल में दुनिया भर में अक्ल का एक सूचकांक आइक्यू (इंटेलीजेंस कोशंट यानी बुद्धि का मानक) को माना जाता है। उन्होंने आइक्यू के आधार पर सफल और असफल, अमीर और गरीब लोगों का अध्ययन किया। उन्होंने इस पर भी ध्यान दिया कि एक ही व्यवसाय या बराबर मेहनत मांगने वाले काम में लगे दो अलग-अलग लोगों की आमदनी में कई बार जमीन-आसमान का अंतर क्यों होता है? उन्होंने अपने अध्ययन में जो पाया वह आम धारणाओं के एकदम विपरीत है। उनका कहना है कि किसी के अमीर होने में अक्ल का योगदान महज दो फीसद होता है। कुछ लोग इसमें किस्मत को भी महत्वपूर्ण मानते हैं, लेकिन अमीर होने में सबसे ज्यादा योगदान व्यक्ति की कुशलता, उसके सोच और व्यवहार का होता है। उनका कहना है कि स्कूल-कालेज में अच्छे नंबर लाने वाले और मेधावी माने जाने वाले लोग कई बार जीवन में बहुत सफल नहीं हो पाते, क्योंकि उनकी कुशलता, सोच एवं व्यवहार में खोट होता है। ऐसे सफल और अमीर लोगों की सूची बहुत लंबी है, जो कभी बहुत अच्छे छात्र नहीं रहे। यहां तक कि आइंस्टीन तक की गिनती कभी बहुत अच्छे छात्रों में नहीं होती थी। हैकमैन का मत है कि स्कूल-कालेज के अच्छे नंबर लोगों को जिन कारणों से मिलते हैं, वे उनसे अलग होते हैं, जो सफल होने के लिए जरूरी हैं। लोगों को अच्छे नंबर अक्सर उनकी पढ़ाई-लिखाई की आदतों के चलते मिल जाते हैं। जैसे नियमित रूप से ध्यान लगाकर पढ़ना, चीजों को रिवाइज करना, उन्हें याद रखना और परीक्षा में उसे सही तरीके के से पेश कर देना, लेकिन बाद के जीवन में सफल होने के लिए जिस कुशलता की जरूरत पड़ती है, वह इससे एकदम अलग होती है। इसलिए स्कूली पढ़ाई में बहुत अच्छे अंक पाने वाले कुछ लोग बाद के जीवन में कई बार अपने लिए उपयुक्त काम तक नहीं खोज पाते हैं और निराश हो जाते हैं। कुछ को बुद्धि की श्रेष्ठता का बोध भी ले डूबता है।

संक्षिप्त समाचार

बगावती तेज प्रताप पर नियंत्रण को ले लालू परिवार का इमोशनल कार्ड

पटना। अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के परिवार से जुड़ी यह बड़ी खबर है। लालू-राबड़ी के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव अब मां के घर लौट आए हैं। बताया जा रहा है कि तेज प्रताप के आए दिन के पार्टी व परिवार को असहज करते बयानों व कार्यों से परेशान लालू प्रसाद यादव के निर्देश पर राबड़ी देवी ने बड़े बेटे को घर पर साथ रहने के लिए मना लिया है। सूत्र कहते हैं कि परिवार का मानना है कि इस तरह तेज प्रताप बाहरी तत्वों के प्रभाव में नहीं आएंगे। तेज प्रताप का मानना रहा है कि राबड़ी आवास पर आने वाले कई लोग उनके खिलाफ साजिश रचते हैं। वहां रहकर वे भी इसपर नजर रख सकेंगे। विदित हो कि बीते शुक्रवार को राबड़ी आवास पर आरजेडी की इफ्तार पार्टी थी, जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी शिरकत की थी। आरजेडी के पटना महानगर अध्यक्ष रामराज ने आरोप लगाया कि इस पार्टी के दौरान उन्हें तेज प्रताप ने कमरे में बंद कर पीटा था। रामराज के अनुसार तेज प्रताप ने पिता लालू यादव एवं भाई तेजस्वी यादव के लिए भी अपशब्द कहे। इसपर सफाई देते हुए तेज प्रताप ने कहा कि रामराज प्रदेश आरजेडी अध्यक्ष जगदानंद सिंह, तेजस्वी के सलाहकार संजय यादव एवं आरजेडी एमएलसी सुनील सिंह के बहकावे में आकर झूठे आरोप लगा रहे हैं। तेज प्रताप ने लालू प्रसाद यादव ने मिलकर पार्टी से इस्तीफा देने की भी घोषणा कर दी।

कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। सेक्टर-37 गोल्फ कोर्स के पास तेज रफ्तार कार सवार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस पहुंची। सेक्टर 39 थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।जानकारी के अनुसार बहरामपुर गाजियाबाद निवासी अनिल शर्मा दिल्ली में अपना स्टूडियो चलाते थे। बताया गया है कि शनिवार देर रात को वह बाइक पर सवार होकर दिल्ली से नोएडा के रास्ते अपने घर बहरामपुर जा रहे थे। इस दौरान जब वह सेक्टर-37 गोल्फ कोर्स के पास पहुंचे। तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार कार चालक ने लापरवाही से चलाते हुए उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस मामले की जांच करने में जुटी है।

बाल्मिकी समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में डॉ. संदीप सरावगी ने वधुओं के पैर पखार दिये उपहार

(आधुनिक समाचार सेवा)
अतुल वर्मा

झाँसी। झाँसी के क्राफ्ट मेला ग्राउंड में आयोजित चतुर्थ बाल्मिक समाज सामूहिक आदर्श विवाह सम्मेलन में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर स्वामी कर्मनाथ जी महाराज विशिष्ट अतिथि रोहित कुमार मैहरौलिया विधायक त्रिलोकपुरी विधान सभा नई दिल्ली मुख्य संस्थापक कार्यक्रम आयोजक रमेशचंद्र महर्षि एवं विशिष्ट अतिथि डॉ.संदीप सरावगी ने जीवन की शुरुआत करने जा रहे वर वधू के 14 जोडो को उपहार देकर कन्याओं के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। वही डॉ. संदीप सरावगी ने अपने उद्बोधन में कहा आज के इस चकाचौंध में दहेज लोभी परिवार के लिए यह कार्यक्रम एक सराहनीय कदम है और आने वाले भविष्य में दहेज प्रथा जैसी रोड़ी व्यवस्था को खत्म करने के लिए आदर्श आज के सामाजिक एवं गैर सामाजिक संस्थायें जो यह नेक कार्य कर रहे हैं। वह सराहनीय है और जहां भी मेरी जरूरत पड़ती है मैं निस्वार्थ भाव से अपने आवाम के साथ खड़ा हूँ बहनों के लिए हमेशा सुख दुख में उनके साथ खड़ा रहूंगा। इस अवसर पर मुख्य संरक्षक मोहन राय बग्गन, संरक्षक अर्जुन चौधरी, संयोजक मंत्री अनिल हीरव सिंह, सरमन महन्त, राकेश गेंचर शिवपुरी, सीताराम नाहर ललितपुर, अजय करौसिया भांडेर, राजू बग्गान ओरछा, दिनेश मच्चल उरई, सोम कुमार, मनोज बाल्मिक उरई, राजेश गेंचर शिवपुरी, राजू बी एच ई एल, विशाल पारौचे, सतीश चौधरी, हेमंत घारू, मिथुन राय, प्रदीप गोहर, हरिमोहन, प्रशांत गोलू, गौरी शंकर, इंद्रजीत आदि अयोजक समस्त वाल्मीकि समाज झाँसी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन अनिल बाल्मिकी ने एवं सभी का आभार कार्यक्रम अध्यक्ष किशन करौसिया ने किया।

बिजली का खंभा कार सवार पर गिरने के मामले में केस दर्ज

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। सेक्टर-121 पर्थला गोल चक्कर के पास हाईटेंशन लाइन का खंभा कार सवार महिला व उसके भाई पर गिरने के मामले में केस दर्ज किया गया है। हादसे में घायल होने वाले युवक ने विद्युत निगम के अधिकारियों और ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के मांग की है।सेक्टर-123 में 400 केवीए का बिजली उपकेंद्र है। इस उपकेंद्र से सेक्टर-67 स्थित 132 केवीए के बिजली उपकेंद्र तक लाइन डालने का कार्य किया जा रहा था। 19 अप्रैल को ट्रांसमिशन विभाग के जेई और एसडीओ की देखरेख में ठेकेदार द्वारा मोनो पोल नंबर-3 से चार के बीच लाइन खींची गई थी। दोपहर को खंभा नंबर-4 मुख्य सड़क की तरफ गिर गया। वह सिगनेचर ब्रिज की दीवार से टकराते हुए चलती कार पर जा गिरा था। इससे कार चालक महिला और उसका भाई अनुपम शर्मा घायल हो गए थे। मेरठ के हंसनगर निवासी अनुपम शर्मा ने पुलिस को शिकायत दी है। उनका आरोप है कि विद्युत निगम के अधिकारियों और संबंधित ठेकेदार की लापरवाही से हादसा हुआ है। इसमें दोनों भाई बहनों की जान भी जा सकती थी। अनुपम ने निगम के अधिकारियों व ठेकेदार पर कार्रवाई करने की मांग की है। फेज तीन थाना पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है

मोबाइल झपटकर चोर पकड़े गये

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। सेक्टर-71 में रविवार को बाइक सवार तीन युवकों ने युवती से मोबाइल फोन छीन लिया। युवती ने शोर मचाया तो राहगीरों ने दो आरोपियों को पकड़ लिया जबकि एक आरोपी भाग गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है जानकारी के अनुसार सेक्टर-71 निवासी युवती रविवार को सेक्टर-71 बी ब्लॉक के पास से मोबाइल पर बात करते हुए जा रही थी। इसी दौरान पीछे से आए बाइक सवार तीन युवकों ने उससे मोबाइल छीन लिया। मोबाइल छीनने के बाद युवती ने शोर मचा दिया। राहगीरों ने बाइक पर सवार दो युवकों को पकड़ लिया, जबकि एक युवक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना पर पहुंची फेज 3 थाना पुलिस ने पकड़े गए दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। फिलहाल पुलिस दोनों से पूछताछ करने में जुटी है और मामले की जांच कर रही है।

होमगार्ड ने एक किलोमीटर पीछा कर चोरों को पकड़ा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। दनकौर कस्बे में होमगार्ड ने बहादुरी दिखाते हुए दो चोरों का करीब एक किलोमीटर तक पीछा कर दबोच लिया। बाद में दोनों को पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में ले लिया है कस्बा निवासी संजय चौहान होमगार्ड है। उसके पड़ोस में रहने वाले भोला सिंह की बाइक करीब छह माह पहले चोरी हो गई थी। इसकी शिकायत कोतवाली में भी दी गई थी लेकिन पुलिस बाइक को तलाश नहीं कर सकी थी। चोर ने यह बाइक किसी को बेच दी थी। सोमवार की दोपहर उस बाइक पर सवार होकर दो युवक कस्बे में घूम रहे थे। होमगार्ड संजय चौहान ने बाइक को पहचान कर उन्हें रुकने के लिए कहा लेकिन वह भागने लगे। होम गार्ड ने करीब एक किलोमीटर तक पीछा करने के बाद कस्बे के एक इंटर कॉलेज के नजदीक आरोपियों को दबोच लिया। मामले की जानकारी होने पर बाइक का मालिक भोला भी वहां पहुंच गया। दोनों मिलकर आरोपियों को कोतवाली ले गए और उन्हें पुलिस के सुपुर्द कर दिया । दनकौर कोतवाली प्रभारी राधा रमन सिंह का कहना है कि दोनों युवक दनकौर कस्बा निवासी हैं जिन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

सीएमओ कार्यालय में आग मामले में केस

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। सेक्टर 39 स्थित मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में आग लगने के मामले में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आरोप है किसी ने जानबूझकर कार्यालय के ब्लॉक नंबर पांच में आग लगाई थी।एफएसओ प्रथम संजीव कुमार ने पुलिस को शिकायत दी है। उनका कहना है कि 22 अप्रैल को सीएमओ कार्यालय के ब्लॉक नंबर पांच में अचानक भीषण आग लग गई थी। आग लगने से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के नए प्रारुप सहित अन्य जरुरी दस्तावेज जल गए थे। दमकल की गाडियों ने करीब आधा घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया था। हादसे में सीएमओ ऑफिस में कम्प्यूटर का डेटा सहित तीन कम्प्यूटर, एक फोटो स्टेट की मशीन, 60 हजार जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के नए प्रारूप और तीन साल पुराने जरूरी दस्तावेज जल गए थे। एफएसओ ने शिकायत में आशंका जताई है कि किसी ने जान बूझकर कार्यालय में आग लगाई थी। इससे महत्वपूर्ण दस्तावेज सहित अन्य सामान जल गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इसको लेकर हादसे के समय मौके पर मौजूद कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा रही है। इसके अलावा अन्य बिंदुओं पर जांच जारी है।

पूर्व रक्षा सचिव योगेंद्र एनसीएफ के चेयरमैन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। नोएडा सिटीजन फोरम (एनसीएफ) की सम्पन्न हुई कार्यकारिणी समिति की बैठक में सर्वसम्मति से पूर्व रक्षा सचिव व उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे आईएएस वरिष्ठ अधिकारी डॉ. योगेन्द्र नारायण को नोएडा सिटीजन फोरम का चेयरमैन मनोनीत किया गया है।

पीएफ जमा नहीं करने पर कंपनी ब्लैकलिस्ट

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। कर्मचारियों का पीएफ व ईएसआई जमा नहीं करने पर नोएडा प्राधिकरण ने एक कंपनी को ब्लैकलिस्ट कर दिया है। ये कंपनी प्राधिकरण के जल और सिविल विभाग में लेबर देती थी।नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक पी के कौशिक ने बताया कि अजय कांट्रेक्टर कंपनी को ब्लैकलिस्ट किया गया है। ये कंपनी प्राधिकरण के कुछ विभाग में करीब एक हजार लेबर देती थी। कंपनी के खिलाफ शिकायत आई कि संबंधित कंपनी लेबर को पीएफ व ईएसआई नहीं दे रही है। शिकायत की जांच कराई तो यह मामला सही पाया गया। अब कंपनी को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। अब प्राधिकरण कंपनी से किसी भी विभाग के लिए लेबर नहीं लेगा।

समाजवादी पार्टी से खुद किनारा कर नई चाल की तैयारी कर रहे हैं

(आधुनिक समाचार सेवा)
आाशीष त्रिवेदी

सीतापुर । समाजवादी पार्टी के नेताओं को मिलने से मना किया व कांग्रेसी नेताओं से की मुलाकात कई महीनों से सीतापुर जेल में बंद कोरोना से लड़कर जीतने वाले आजम खान सीतापुर जेल में बंद है किंतु शिवपाल यादव के मुलाकात से इस समय चर्चा का विषय बन गए हैं आजम खान शिवपाल यादव ने आजम खान से 1 घंटे मुलाकात के बाद मीडिया से जब कहा समाजवादी पार्टी आजम खान का साथ छोड़ दिया है ठीक उसके अगले दिन समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधित्व मंडल विधायक रविदास मल्होत्रा की अगुवाई में सीतापुर जेल आजम खान से मुलाकात करने पहुंचे किंतु आजम खान ने समाजवादी प्रतिनिधियों से मुलाकात करने से साफ मना कर दिया जिससे वे बिना मुलाकात किए ही वापस लौट गए हिना तो ठीक अगले दिन कांग्रेसी नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने सीतापुर जिला जेल पहुंचकर आजम खान से तकरीबन एक डेढ़ घंटे मुलाकात की समाजवादियों को छोड़कर कांग्रेसियों से मुलाकात कर क्या दिखाना चाहते हैं आजम खान।

ब्रह्माकुमारी द्वारा लाइफ आलटेरींग मेडिटेशन वर्क्शाप का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। के सेक्टर 46 स्थित ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र द्वारा गारडेनिया ग्लोरी सोसाइटी के क्लब हाउस में रविवार 24 अप्रैल को 'लाइफ आलटेरींग मेडिटेशन वर्क्शाप' का आयोजन किया गया जिसमें ब्रह्मयकुमारीज़ संस्थान के मानेसर स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर से ब्रह्माकुमारी हुसैन प्रमुख वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं । बी. के. हुसैन ने अपने वक्तव्य में कहा कि जीवन में खुश रहना तो दूसरों पर नहीं, अपने पर ध्यान देने कि आवश्यकता है । उन्होंने कहा कि ङ्गअपने को आत्मा समझ कर परमात्मा को सन्हे से याद करनाङ्घ ही राजयोग की सहज विधि है । साथ ही सभा में उपस्थित सभी सभागणों को राजयोग का अभ्यास भी कराया गया जिससे सभी को शान्ति और हलकापन महसूस हुआ । सेक्टर 46 के ब्रह्माकुमारीज़ सेवा केंद्र की मुख्य संचालिका ब्रह्माकुमारी लीना ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यदि हम सभी राजयोग को अपनी जीवनशैली का अंग बना लें तो तनाव मुक्त जीवन बन जाएगा और सुख शान्ति की अनुभूति स्वतः और सदा होती रहेगी।

जिले में नलकूप खनन प्रतिबंधित, कलेक्टर ने जारी किया आदेश

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल। कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य ने ग्रीष्मकाल को दृष्टिगत रखते हुए एवं पेयजल आपूर्ति बनाए रखने हेतु मध्यप्रदेश पेयजल परीक्षण संशोधित अधिनियम 1986 की धारा-3 में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए शहडोल जिले को पेयजल अभाव ग्रस्त क्षेत्र घोषित किया हैं कलेक्टर ने आदेश कर कहा है कि जिले में पर्याप्त पेयजल आपूर्ति बनाए रखने हेतु अधिनियम की धारा 5 एवं 7 के अनुसार जिले की सीमा में किसी भी प्रकार के प्रयोग हेतु नलकूप खनन एवं समस्त जल स्रोतों का उपयोग आगामी आदेश तक पेयजल हेतु छोड़कर अन्य कार्यों के लिए प्रतिबंधित किया जाता है, ग्रामीण क्षेत्रों में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं नगरीय क्षेत्र में नगरीय निकाय पेयजल प्रयोजन के लिए नलकूप खनन कर सकते हैं शेष सभी के लिए नलकूप खनन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। जारी आदेश में कहा गया है कि जिले की सीमा में आम नागरिक, एवं जानवरों के उपयोग के पेयजल स्रोतों का सिंचाई या अन्य प्रयोजन के लिए उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित किया जाता है, किसी भी प्रकार से आम नागरिक एवं जानवरों के उपयोग के पेयजल स्रोतों का उपयोग सिंचाई या अन्य प्रयोजन हेतु नहीं किया जाएगा यह प्रतिबंध लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा पेयजल व्यवस्था हेतु खनन किए जाने वाले नलकूपों एवं पूर्व से सिंचाई के उपयोग हेतु निर्धारित स्रोतों पर लागू नहीं होगा।

नट बोल्ट का काम पूरा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। सेक्टर-121 स्थित पर्थला गोलचक्कर पर मोनोपोल गिरने की घटना में नट बोल्ट निकालने का काम सोमवार हो पूरा हो गया है। मंगलवार को दिल्ली लैब के लिए नमूने भेजे जाएंगे। प्राथमिक जांच में अन्य चीजे सही मिली हैं, अब सिर्फ नट वोल्ट की जांच होगी। मोनोपोल के फाउंडेशन में 60 एमएम के 40 नट बोल्ट लगे हैं। लैब से 70 दिन में रिपोर्ट आएगी। उत्तर प्रदेश विद्युत ट्रांसमिशन निगम लिमिटेड (यूपी पीटी सीएल) द्वारा सेक्टर-123 बिजलीघर से सेक्टर-67 बिजलीघर के लिए चार किमी लंबी 132/220 केवी की तार खींची जा रही है। लाइन खींचने के दौरान बीते मंगलवार को एक मोनोपोल गिर गया था। मोनोपोल के फाउंडेशन में दो मीटर लंबे नट वोल्ट लगे थे। इनको निकालने का काम सोमवार को पूरा हो गया है। यूपीपीटीसीएल स्तर से उच्च स्तरीय कमेटी गठित की गई है। मामले की जांच में टीम में मुख्यालय से अधीक्षण अभियंता डिजाइन, मुख्य अभियंता आगरा और अधीक्षण अभियंता ट्रांसमिशन मेरठ शामिल हैं।

पार्टी के दौरान हुई मारपीट में एक शख्स की गई जान

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। के हाई प्रोफाइल मॉल में पार्टी के दौरान हुई मारपीट,पार्टी कर रहे कम्पनी कर्मचारियों व क्लब कर्मचारियों के बीच हुई मारपीट। पार्टी कर रहे हैं बृजेश राय नामक युवक की हुई मौत, मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा,थाना सेक्टर 39 क्षेत्र का मामला। नोएडा पुलिस द्वारा जारी बयान 25/04/2022 की रात्रि को समय करीब 11:00 बजे थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के गार्डन गलैरिया में कुछ व्यक्ति कम्पनी की तरफ से पार्टी कर रहे थे तभी उनका वहां काम करने वाले कुछ लोगों के साथ झगड़ा/मारपीट हो गई जिसमें एक व्यक्ति बृजेश पुत्र श्रीकांत उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम हसनपुरा जिला छपरा, बिहार गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सक द्वारा उनको मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस द्वारा एफआईआर पंजीकृत कर एवं मृतक के शव का पंचायतनामा भर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। झगड़ा करने वाले कुछ व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया है।

प्रदेश सरकार ने माध्यमिक शिक्षा को गुणवत्तायुक्त बनाया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा। शिक्षा व्यक्ति के व्यक्तित्व और मानव को अच्छा इंसान बनाती है। शिक्षा से व्यक्ति में ज्ञान, उचित आचरण, तकनीकी दक्षता, कौशल विकास, व्यापार, व्यवसाय एवं मानसिक, नैतिक, भौतिक आध्यात्मिक सौन्दर्य उत्कर्ष का ज्ञान होता है। शिक्षा से समाज के आधारभूत नियमों, व्यवस्थाओं, समाज के प्रतिमानों एवं मूल्यों का ज्ञान होता है। शिक्षा मनुष्य के शरीर, मन, आत्मा का सर्वांगीण एवं सर्वोत्कृष्ट विकास करती है तथा अन्तर्निहित क्षमता तथा उसके व्यक्तित्व को विकसित करने वाली प्रक्रिया है।उत्तर प्रदेश सरकार ने माध्यमिक शिक्षा के सुधार पर विशेष बल दिया है। सरकार का मन्तव्य है कि बच्चे स्कूलों में मात्र प्रमाण पत्र/डिग्री न प्राप्त करें बल्कि वे अच्छा ज्ञान प्राप्त करें। छात्र-छात्राएं जब स्कूल कॉलेजों से ज्ञान प्राप्त करेंगे तो वे स्वतः अपने जीवन का ध्येय बनायेंगे और राष्ट्रीय विकास में सहभागी बनेंगे। आज के विद्यार्थी कल के देश निर्माणकर्ता हैं। सरकार ने शिक्षा के समस्त कार्यों को पारदर्शी बनाया है। माध्यमिक शिक्षा की बोर्ड परीक्षा सम्पादन एवं अन्य कार्यों में सुधार लाते हुए ऑनलाइन केन्द्र निर्धारण, ऑनलाइन पंजीकरण, ऑनलाइन मान्यता एवं ऑनलाइन डुप्लीकेट अंक पत्र/प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। प्रदेश में राजकीय, सहायता प्राप्त एवं वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों के माध्यम से यू0पी0 बोर्ड के अन्तर्गत कक्षा 6 से 12 तक के छात्र-छात्राओं के गुणवत्तापूर्ण पठन-पाठन की व्यवस्था है। संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 973 सहायता प्राप्त एवं 178 वित्तविहीन कुल 1151 संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों के माध्यम से छात्र-छात्राओं को संस्कृत की भी शिक्षा प्रदान की जा रही है।विद्याथिर्यों की शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाने, उन्हें विद्यालयों में आकर पढ़ने और वास्तविक छात्र-छात्रा द्वारा ही बोर्ड की परीक्षा दी जाय। सरकार ने इस पर बल देते हुए कक्षा 9 और कक्षा 11 में पंजीकरण की व्यवस्था की है। इसके साथ-साथ छात्र-छात्राओं के शैक्षिक विवरणों के साथ ही उनके आधार नम्बर को भी ऑनलाइन अपलोड कराया गया है। प्रदेश सरकार की इस व्यवस्था से छात्र-छात्रा के फर्जी/बोगस पंजीकरण का गलत उपयोग बन्द हो गया और इस पर प्रभावी अंकुश लगा है।परीक्षा केन्द्रों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सरकार ने परीक्षा केन्द्रों के निर्धारण को ऑनलाइन कर दिया। इससे नकल कराने वाले केन्द्रों पर प्रभावी अंकुश लगा। नकल माफियाओं पर लगाम लगाने के लिए केन्द्र निर्धारण के समय पूर्ण विवरण भरना होता है, इससे व्यवस्थाविहीन और अधोमानक के विद्यालय परीक्षा केन्द्र नहीं बन सके। सही मानकयुक्त परीक्षा केन्द्र होने से प्रदेश सरकार की राजस्व की भी बचत हुई और सुव्यवस्थित ढंग से परीक्षा की समय सारिणी बनाते हुए नकलविहीन परीक्षा सम्पनन कराई गई है30प्र0 बोर्ड की परीक्षा की सुचिता और निष्पक्षता बनाये रखने के लिए पूर्णतया नकलविहीन परीक्षा कराये जाने के उद्देश्य से प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की परीक्षाएं सी0सी0टी0वी0 की निगरानी में आयोजित कराई गई। इसके साथ ही इण्टरमीडिएट की प्रयोगात्मक परीक्षाएं भी सी0सी0टी0वी0 की निगरानी में पूर्णतया पारदर्शी तरीके से आयोजित कराई जा रही है। सी0सी0टी0वी0 के साथ ही वॉयस रिकार्डर की निगरानी तथा वेबकास्टिंग के माध्यम से पर्यवेक्षण/निरीक्षण करने हेतु परीक्षा केन्द्रों में राउटर एवं हाईस्पीड इण्टरनेट भी लगाया गया है। परीक्षा की निगरानी हेतु समस्त तकनीकी आवश्यक सुविधाओं से युक्त प्रत्येक जनपदों में एक-एक मॉनीटरिंग सेल भी स्थापित किया गया है।शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार हेतु एन0 सी0 ई0आर0टी0 का पाठ्यक्रम अंगीकृत किया गया है। माध्यमिक शिक्षा परिषद के छात्र/छात्राओं का शैक्षिक स्तर देश के अन्य राज्य/राष्ट्रीय स्तर के शैक्षिक बोर्डों के छात्र/छात्राओं के समकक्ष हो तथा उनमें भविष्य की प्रतियोगी परीक्षाओं का सामना करने की क्षमता विकसित हो इसलिए एन0सी0ई0आर0टी0 द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम एवं पाठ्य पुस्तकों को अंगीकृत किया गया है। प्राचीन वैदिक गणित एवं योग भी पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। कई विषयों के प्रशन्पत्रों को भी कम किया गया है। छात्र-छात्राओं की अभिरूचि के अनुसार कौशल विकास हेतु व्यावसायिक शिक्षा को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। परीक्षार्थीगण अपनी परीक्षा की तैयारी विषयवार सुनियोजित तरीके से करें, इसको ध्यान में रखते हुए परीक्षा की समय सारिणी भी समय से घोषित की जाती है प्रदेश सरकार माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा कराई जा रही परीक्षा की गुणवत्ता में सुधार, परीक्षा की शुचिता पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ पठन-पाठन की गुणवत्ता में किये गये सुधार से छात्र/छात्राये सुनहरे भविष्य की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

आजमा फलाह का सिक्योरिटी गार्ड पर आया दिल, कहा, 'करो मुझसे शादी' पढ़ें पूरी खबर

नई दिल्ली। कअप रियलिटी शो में आजमा फलाह का दिल गार्ड जी सिक्स पर आया है वह उनसे फ्लर्ट करती है और कहती हैं कि अब उनसे शादी नहीं करेगा क्योंकि उनका गार्ड के साथ अफेयर है गार्ड का नाम जी सिक्स होने के चलते वह साइलेंट रहता है और शो में आजमा जी, जी बात सुनो बात, सीरियस है, ठीक है, ऐसी हरकतें मेरी कि बाहर लड़के शादी नहीं करेंगे मुझसे मेरी मम्मी ने कहा है'वह आगे कहती

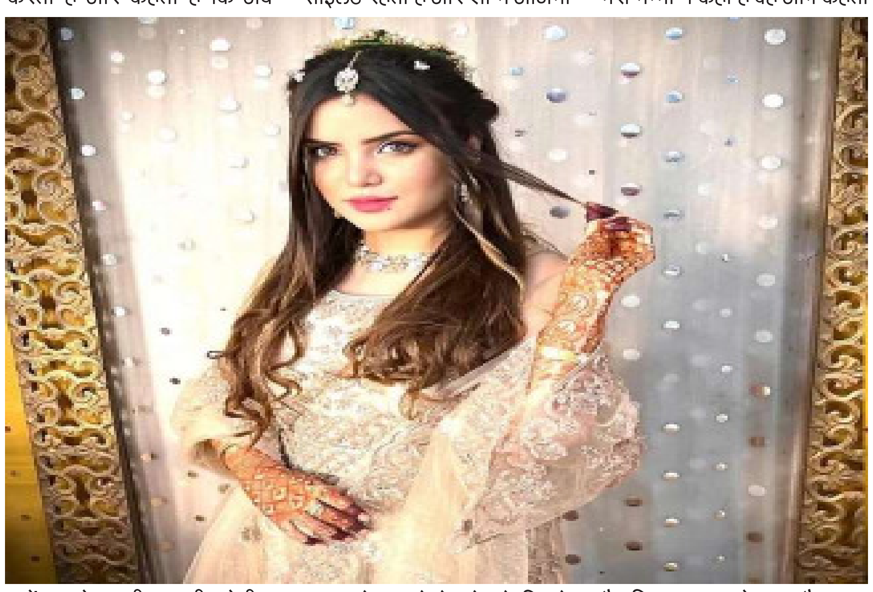

उन्हें उनसे शादी करनी होगीत् आजमा फलाह के अलावा लॉकअप में सायशा शिंदे, अंजली अरोड़ा, पायल रोहतगी, पूनम पांडे, शिवम शर्मा और प्रिंस नरूला है लॉकअप प्रतियोगी आजमा फलाह का गार्ड जी सिक्स पर दिल आ गया है वह उनके साथ फ्लर्ट करने का प्रयास करती हैंत् वह कहती हैं कि उन्हें उनसे शादी करनी होगी वह यह भी कहती हैं कि उन्हें उनकी मां ने बताया कि जेल के बाहर कोई भी फलाह के नखरे देखने को मिलते हैं आजमा फलाह अक्सर गार्ड के साथ फ्लर्ट करती हैं, जिन पर जिम्मेदारी है कि वह शो के प्रतियोगियों को एक लाइन में रखें और कंगना रनोट और जेलर करण कुंद्रा के मैसेजेस एपिसोड देता है आजमा को गार्ड के पास खड़े होकर उन्हें शादी करने के लिए कहते हुए देखा जा सकता है आजमा किचन से सिक्यूरिटी के नाम से पुकारती है फिर वह कहती है, 'कहां हो है, 'रिश्ता पक्का हो चुका है, बाहर लड़के शादी करने को रेडी नहीं है आज मां बोल रही है कि अब जी सिक्स से ही शादी करनी है इस पर उन्हें मुनव्वर फारूकी कहते है कि जी सिक्स की शादी हो चुकी है इसपर वह कहती हैं कि उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता लॉकअप शो काफी पसंद किया जा रहा है इस शो को जज कंगना रनोट कर रहीहैं। यह लॉकअप का पहला सीजन है।

अवनीत कौर निर्माता राघव शर्मा को कर रही हैं डेट, रिश्ते को किया सार्वजनिक, पढ़ें पूरी खबर

नई दिल्ली। टीवी कलाकार अवनीत कौर इन दिनों निर्माता राघव शर्मा को डेट कर रही हैं दोनों पिछले कई वर्षो से एक-दूसरे के साथ रिश्ते में है हालांकि उन्होंने अपने रिश्ते को दोस्ती का नाम दे रखा था लेकिन अब दोनों ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक कर दिया है अवनीत कौर 20 वर्ष की है और वह लंबे समय से अवनीत के पीछे पड़ा हुआ था उन्होंने अपने रिश्ते को छिपाकर रखा था इसके पीछे मुख्य कारण दोनों का प्रोफेशन था राघव किसी प्रोडक्शन हाउस से जुड़ा हुआ है वहीं अवनीत कई शो में नजर आ चुकी हैं इसके चलते उन्हें अपनी डेटिंग की लाइफ को निजी रखना पड़ा यह भी कहा

राघव शर्मा 22 वर्ष के हैं पिछले कुछ समय से दोनों ने अपने रिश्ते को छिपाकर रखा था अब खबर आई है कि दोनों ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक कर दिया है यह भी कहा जा रहा है कि दोनों को प्यार तीन चार वर्ष पहले हुआ है एक सूत्र ने हिंदुस्तान टाइम्स को बताया, 'दोनों सोशली मिले थे और लंबे समय से एक-दूसरे को जानते हैं राघव शर्मा ने पहल की और जाता है कि दोनों एक-दूसरे को देखने के लिए ट्रैवल करते हैं क्योंकि एक मुंबई में रहता है और दूसरा दिल्ली मेंत् खास बात यह है कि राघव शर्मा पिछले सप्ताह मुंबई में थे दोनों साथ में शहर के बाहर गएत् हालांकि दोनों अलग अलग बैठे थे कई बार प्रयास करने के बावजूद अवनीत कौर के माता पिता ने उनसे बात करने नहीं दी।

केजीएफ चैप्टर 2 का वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर तहलका जारी, की 900 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई

नई दिल्ली। केजीएफ चैप्टर 2 वैश्विक स्तर पर लगातार कमाई के नए मापदंड स्थापित कर रही है इस फिल्म में 900 करोड़ रुपए का आंकड़ा छू लिया है विशेष बात यह है कि शाहिद कपूर की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म जर्सी का भी इस फिल्म के कलेक्शन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है केजीएफ चैप्टर 2 फिल्म 12 दिन पहले रिलीज हुई है इस फिल्म में यश की अहम भूमिका है और वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म 900 करोड़ रुपए से ज्यादा का व्यापार कर चुकी है ऐसा करने वाली यह छठवीं भारतीय फिल्म बनी ह केजीएफ चैप्टर 2 की रफ्तार बॉक्स ऑफिस पर रुकने का नाम नहीं ले रही है इस कनन्ड़ फिल्म में सोमवार को एक नया कीर्तिमान स्थापित किया फिल्म ने वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 900 करोड़ रुपए का व्यापार कर लिया है और ऐसा करने वाली यह छठी भारतीय फिल्म साबित हुई है प्रशांत नील की फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 ने सोमवार को 23 करोड़ रुपए कमाई है जोकि ओवरऑल वर्ल्ड वाइड 907.3 करोड़ रुपए है अब ट्रेड एनालिस्ट को लगता है कि यह फिल्म बजरंगी भाईजान और सीक्रेट सुपरस्टार के कलेक्शन को भी पार कर जाएगी और इस वीकेंड के अंत तक 1000 करोड़ रुपए का आंकड़ा भी छू लेगी ट्रेड एनालिस्ट मनोबाला विजयाबालन ने ट्विटर पर मंगलवार को केजीएफ चैप्टर 2 के ग्लोबल वर्ल्ड वाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बारे में जानकारी दी उन्होंने लिखा है, 'चैप्टर 2 वर्ल्ड वाइड बॉक्स ऑफिस फिल्म में 12 दिनों में 900 करोड़ रुपए कमा लिए है पहले वीक में फिल्म ने 720.31 करोड़ का व्यापार किया था जबकि दूसरे सप्ताह के पांचवे दिन फिल्म 907.30 करोड़ रुपए कमा चुकी है यह शानदार है।

इस वजह से 'दिल्ली क्राइम 2 के रिलीज होने में हो रही है

नई दिल्ली।ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स इंडिया की सबसे चर्चित वेब सीरीज दिल्ली क्राइम का सीजन 2 काफी समय से सुर्खियों में हैं। सीरीज के दर्शक इसका बेसब्री से इंतजार भी कर रहे हैं। इस बीच दिल्ली क्राइम 2 को लेकर बड़ी खबर सामने आई है, जिसे जानने के बाद दर्शक थोड़ा निराश हो सकते हैं। दिल्ली क्राइम का पहला सीजन साल 2019 में आया था।इस वेब सीरीज को दर्शकों काफी प्यार मिला था। उससे खुश नहीं है और बार-बार सीरीज के बड़े हिस्से को फिर से शुरू करने का आदेश दे रहा है। जिसके चलते इस वेब सीरीज में देरी हो रही है। इससे पहले दिल्ली क्राइम 2 की देरी का कारण कोविड 19 की वजह से लगा लॉकडाउन था। सूत्रों की माने तो दिल्ली क्राइम 2 नेटफ्लिक्स इंडिया की बेहद खास वेब सीरीज में से हैं। जिसके कारण ओटीटी प्लेटफॉर्म किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहता है।

जिसके चलते नेटफ्लिक्स ने क्रिएटिव निर्माता राजेश मापुस्कर और श्रोता तनुज चोपड़ा सीरीज के सीन्स दोबारा से शूट करने के आदेश दिए हैं। हालांकि नेटफ्लिक्स और निर्माताओं की ओर से आधिकारिक तौर पर किसी भी तरह की घोषणा नहीं हुई है। आपको बता दें कि वेब सीरीज दिल्ली क्राइम में शेफाली शाह, रसिका यही वजह थी कि वेब सीरीज दिल्ली क्राइम ने एमी पुरस्कार जीता था। अब इसके दूसरे सीजन में हो रही देरी को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। खबरों की मानें तो नेटफ्लिक्स इंडिया दिल्ली क्राइम 2 के कुछ सीन्स को लेकर आश्वस्त नहीं था, जिसके चलते इस वेब सीरीज के उन सीन्स को दोबारा से शूट किया जा रहा है। अंग्रेजी वेबसाइट बॉलीवुड लाइफ की खबर के अनुसार नेटफ्लिक्स दिल्ली क्राइम सीजन 2 के लिए जो भी आउटपुट मिले, दुग्गल, आदिल हुसैन और राजेश तैलंग जैसे कई कलाकार मुख्य भूमिका में थे। वेब सीरीज दिल्ली क्राइम साल 2016 में हुए निभऱ्या कांड से प्रेरित थी। इस फिल्म ने दुनिया भर में काफी सुखिऱ्यां बटोरी थीं। वेब सीरीज दिल्ली क्राइम को साल 2020 में 48वें अंतरराष्ट्रीय एमी अवॉर्ड अपने नाम किया। सीरीज ने बेस्ट ड्रामा सीरीज का अवॉर्ड जीता था। दिल्ली क्राइम अंतर्राष्ट्रीय एमी पुरस्कार जीतने वाली भारत की पहली वेब सीरीज है।

उर्फी जावेद हुईं वार्डरोब मालफंक्शन का शिकार

नई दिल्ली।उर्फी जावेद वार्डरोब मालफंक्शन का शिकार हो हैं अब उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी हालिया वीडियो की एक झलक शेयर की है इसके साथ उन्होंने लिखा है, 'आज मेरे साथ वार्डरोब मालफंक्शन हो गया लेकिन इसे बात का बतंगड़ ना बनाएं, यह चीजें होती रहती है ऐसा कुछ नहीं दिखा एक कार्यक्रम में पहुंची थीत् जहां उन्हें फोटोग्राफर को पोज देना था तस्वीरें खिंचवाने के चक्कर में उर्फी जावेद वार्डरोब मालफंक्शन का शिकार हो गई हालांकि इसके बावजूद उर्फी जावेद पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा है और उन्होंने इसपर बहुत ही कैजुअली रिएक्ट किया है गौरतलब है कि उर्फी

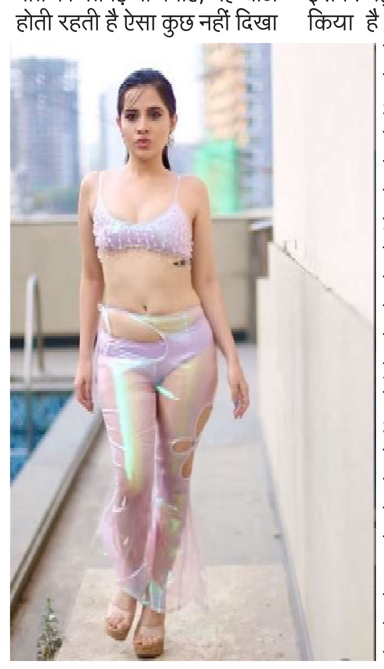

जावेद बिग बॉस ओटीटी में नजर आ चुकी है वह अक्सर अपनी हॉट और बोल्ड तस्वीरें और वीडियो शेयर करती है इसके अलावा वह अपनी उटपटांग ड्रेसिंग सेंस के लिए भी जानी जाती है इसे लेकर उन्हें ट्रोल भी किया जाता है हालांकि इसका उनपर कोई प्रभाव नहीं पड़ता उर्फी जावेद ट्रोलिंग का जवाब और बोल्ड होकर देती हैं उर्फी जावेद को इस वार्डरोब मालफंक्शन के लिए ट्रोल भी किया जा रहा है एक ने लिखा है 'अब छोटे बच्चों के मास्क तो छोड़ देती' एक ने लिखा है 'यह एक नई पागल और आ गई' एक जो दुनिया ने पहले नहीं देखा हैत् शांत रहिए गौरतलब है कि उर्फी जावेद ने इस मौके पर एक उटपटांग ड्रेस पहनी थी जो कि थाई हाई स्लिट गाउन थी लेकिन इसी की वजह से उनके साथ मालफंक्शन हुआ है वीडियो वायरल होने के बाद अब उर्फी जावेद ने इस पर सफाई दी है दरअसल उर्फी जावेद ने लिखा है, 'हद है कौन है यह, यह क्या है भाई उर्फी जावेद के वीडियो पर इस प्रकार के कई कमेंट किए जा रहे हैं वहीं कई लोगों ने उर्फी जावेद की यूनिक स्टाइल की सराहना भी की है उर्फी जावेद अपनी ड्रेसिंग सेंस के चलते खबरों में बनी रहती हैं।

शनाया कपूर ने क्रॉप टॉप में दिया 'बोल्ड' पोज, तस्वीरें हुई वायरल

नई दिल्ली। शाह रुख खान की बेटी सुहाना खान और शनाया कपूर ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है इसमें उन्हें अन्य दोस्तों के साथ सेल्फी लेते देखा जा सकता है सुहाना कपूर खान जल्द निर्देशक जोया अख्तर काफी खूबसूरत लग रही है इसके पहले भी सुहाना खान और शनाया कपूर को फरवरी में एक साथ देखा गया था दोनों ने रितेश सिधवानी की पार्टी अटेंड की थी शनाया कपूर की फिल्म में बेधड़क में उनके अलावा लक्ष्य लालवानी और गुरफतेह

की फिल्म से डेब्यू करने वाली है यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी वहीं शनाया कपूर धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म बेधड़क से डेब्यू करने वाली है शाह रुख खान की बेटी सुहाना खान सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं अब उन्होंने संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर के साथ अपनी तस्वीरें शेयर की है इसमें उनके अन्य दोस्त भी नजर आ रही हैं शनाया कपूर और सुहाना खान की दोस्ती काफी गहरी है दोनों एक-दूसरे की फोटो पर भी कमेंट करते हैं दोनों तस्वीरों में बोल्ड करती नजर आ रही है दोनों पीरजादा भी नजर आएंगे उन्होंने इस बात की जानकारी इंस्टाग्राम पर शेयर कर दी है वहीं सुहाना खान फिल्म द आर्ची में नजर आएंगी इस फिल्म में उनके अलावा अमिताभ बच्चन के नाती अग्स्तस्य नंदा और बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर भी नजर आएंगी।सुहाना खान सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी हॉट और बोल्ड तस्वीरें और वीडियो शेयर करती है इसे लेकर उनके फैंस भी काफी उत्साहित रहते हैं। सुहाना खान की बड़ी फैन फॉलोइंग है वह अक्सर अपने फैंस से बातचीत भी करती है।

रणवीर सिंह ने 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के गाने 'ढोलीड़ा' पर आलिया भट्ट के साथ किया जमकर डांस

नई दिल्ली। हाल ही में आलिया भट्ट की फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' रिलीज हुई थी जो बॉक्स ऑफिस पर हिट रही और 100 करोड़ क्लब में एंट्री करने में सफल रही। फिल्म में आलिया ने जबरदस्त एक्टिंग की थी। जिसके लिए उन्होंने खूब तरीफें भी बटोरी। फिल्म की कहानी के साथ ही साथ गानों को भी काफी पसंद किया गया। जिनमें से एक गाना था 'ढोलीड़ा'। इस गाने में आलिया गुजराती फोक डांस करते हुए नजर आई थी। अब फिल्म के मेकर्स ने एक नया वीडियो शेयर किया है। जिसमें आलिया के साथ रणवीर सिंह भी थिरकते हुए दिख रहे हैं। दरअसल, ये फिल्म का बीटीएस वीडियो है। संजय लीला भंसाली के साथ 'राम लीली', 'बाजीराव मस्तानी' और 'पद्मावत'

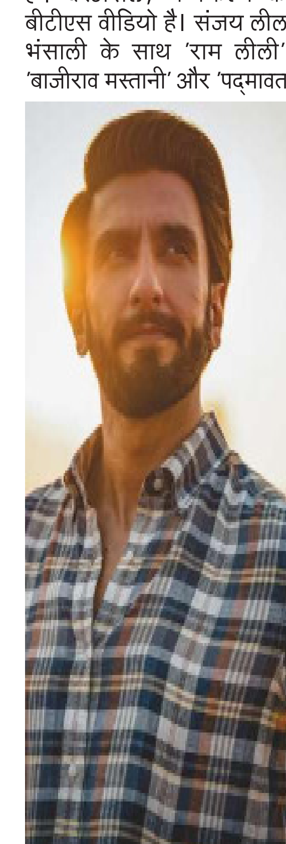

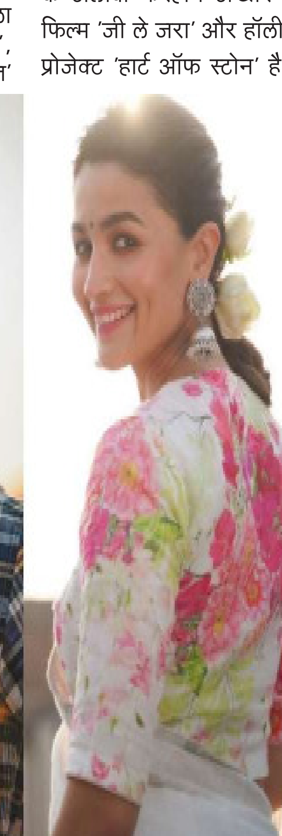

जैसी फिल्में कर चुके रणवीर सिंह फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के सेट पर उस दिन पहुंचे, जब इस गाने की शूटिंग चल रहा थी। फिर क्या था एक्टर ने 'ढोलीड़ा' पर आलिया के साथ जमकर ठुमके लगाए। दोनों का यह वीडियो काफी मजेदार है। इस बीटीएस वीडियो में रणवीर गाने की तारीफ करते हुए दिखे और यह गाना उन्हें इतना पसंद आया कि उन्होंने इसे रिलीज के पहले ही सुपरहिट बता दिया। वीडियो में आलिया ने भी अपना अनुभव शेयर किया। उन्होंने बताया कि इस गाने की शूटिंग उनके लिए काफी कठिन थी क्योकि शूटिंग के वक्त काफी ज्यादा ठंड थी और वह गाने के लिए चार दिनों से रिहर्सल कर रही थीं, जिसकी वजह से उनके पैरों में कई सारें चोटें आ गई थीं, वहीं ठंड ने उनकी पीठ जमा दी थी। यहां देखे वीडियो, दोनों के वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट और रणवीर सिंह इन दिनों अपनी फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' की शूटिंग कर रहे हैं। करण जौहर के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में शबाना आजमी, जया बच्चन और धर्मेंद्र भी हैं और यह अगले साल रिलीज होने वाली है। रणवीर जल्द ही वाईआरएफ के 'जयेशभाई जोरदार' और रोहित शेट्टी की 'सर्कस' में दिखाई देंगे। वहीं आलिया भट्ट के पास इस फिल्म के अलावा फरहान अख्तर की फिल्म 'जी ले जरा' और हॉलीवुड प्रोजेक्ट 'हार्ट ऑफ स्टोन' है।

ऑर्गेनाइजर ने दर्ज कराई 'चीटिंग' की शिकायत

नई दिल्ली। फिल्म अभिनेत्री अमीषा पटेल की एक बार फिर मुश्किलें बढ़ गई हैं उनके खिलाफ एक आयोजक ने शिकायत दर्ज कराई है दरअसल मध्य प्रदेश के खंडवा में उन्हें एक कार्यक्रम में परफॉर्मेंस देना था अमीषा पटेल को कार्यक्रम खिलाफ एक सोशल वर्कर ने शिकायत दर्ज कराई हैत् शिकायत में लिखा है, 'अमीषा पटेल को शो में आने के लिए बड़ी अमाउंट दी गई है लेकिन उन्होंने इस अवसर पर बहुत ही कम समय के लिए परफॉर्म किया' अमीषा ने भी इस पुलिस स्टेशन के इंचार्ज ईश्वर सिंह चौहान मामले की छानबीन कर रहे हैं उन्होंने कहा, 'मैं कार्यक्रम के दिन वहां पर था, वहां पर बहुत ज्यादा भीड़ थी लेकिन वहां पर कोई भी शर्मनाक घटना नहीं हुई हमें किसी भी प्रकार के डर के बारे में

में 1 घंटे की परफॉर्मेंस देनी थी लेकिन उन्होंने मात्र 3 मिनट का परफॉर्मेंस दियात् अमीषा पटेल ने ऐसा करने के पीछे कारण दिया कि यह कार्यक्रम बहुत ही बुरी तरह आयोजित किया गया था अभिनेत्री अमीषा पटेल पर चीटिंग करने का आरोप लगा है और उनके मामले पर ट्वीट कर जानकारी दी है अमीषा पटेल ने कहा कि उनकी जान को धोखा था और उन्होंने पुलिस का आभार व्यक्त किया कि उन्हें समय पर वहां से बचा कर ले गई अमीषा पटेल को पिछली बार 2018 में आई फिल्म भैया जी सुपरहिट में देखा गया था मोघट भी नहीं बताया गया था उन्होंने यह भी कहा कि अमीषा पटेल कार्यक्रम पर 9:30 बजे पहुंचीत् उन्होंने दर्शकों का अभिवादन किया वहां अमीषा पटेल को 1 घंटे की परफॉर्मेंस देनी थी लेकिन 3 मिनट परफॉर्म करने के बाद वह इंदौर चली गई ।

रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स में हुई विवेक ओबरॉय की एंट्री, सीनियर ऑफिसर बन करेंगे एक्शन

नई दिल्ली। फिल्ममेकर रोहित शेट्टी इन दिनों अपनी अपकमिंग वेब सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' को लेकर काफी चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में रोहित ने अपने कॉप यूनिवर्स में सिद्धार्थ मल्होत्रा और शिल्पा शेट्टी की भर्ती की थी। वहीं अब उनकी टीम को एक सीनियर ऑफिसर ने भी ज्वाइन कर लिया है और वह है विवेक ओबरॉय। रोहित ने विवके की पुलिस यूनिफॉर्म में तस्वीर शेयर करते हुए इस बात की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की है। रोहित शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, ठमिलिए हमारे स्कॉयड के सबसे ज्यादा अनुभवी पुलिस ऑफिसर से। आपका स्वागत है विवेक है।वहीं विवेक ने भी 'इंडियन पुलिस फोर्स' से अपनी पहली तस्वीर को इंस्टाग्राम पोस्ट में शेयर की है और साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा, ठसर्वश्रेष्ठ फोर्स 'इंडियन पुलिस फोर्स' में शामिल होने के लिए और रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स में एक सुपरकॉप बनने के लिए चार्ज हूं! धन्यवाद भाई रोहित शेट्टी इस अद्भुत भूमिका के साथ मुझ पर भरोसा करने के लिए मेरे अन्य दो सुपर पुलिस कॉप सिद्धार्थ मल्होत्रा और शिल्पा शेट्टी के साथ एक्शन करने के लिए एक्साइटेड हूं। खाखी में हीरोइज्म सिल्वर स्क्रीन पर रोहित के कॉप यूनिवर्स की फिल्मों ने खूब धमाल मचाया और अब ओटीटी पर भी फैंस को उनसे यही उम्मीदें हैं। रोहित

अमेजन प्राइम के साथ मिलकर कॉप स्पेशल सीरीज लेकर आ रहे हैं। इस सीरीज के साथ रोहित ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करने जा रहे हैं। 'इंडियन पुलिस फोर्स' के साथ रोहित के अलावा शिल्पा शेट्टी और सिद्धार्थ मल्होत्रा भी ओटीटी पर डेब्यू कर रहे हैं। जबकि विवेक पहले भी कई वेब सीरीज में नजर आ चुके हैं। उनकी कॉप यूनिवर्स में अभी तक 'सिंघम', 'सिंबा' और 'सूर्यवंशी' जैसी फिल्में शामिल हैं। इन सभी ने सिनेमाघरों में एक्शन का धमाल दिखाया और सफल ड्रामा फिल्में साबित हुईं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका हैं। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते हैं। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए हैं। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे हैं इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे हैं। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं हैं ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डीजीईटी-6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मेंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

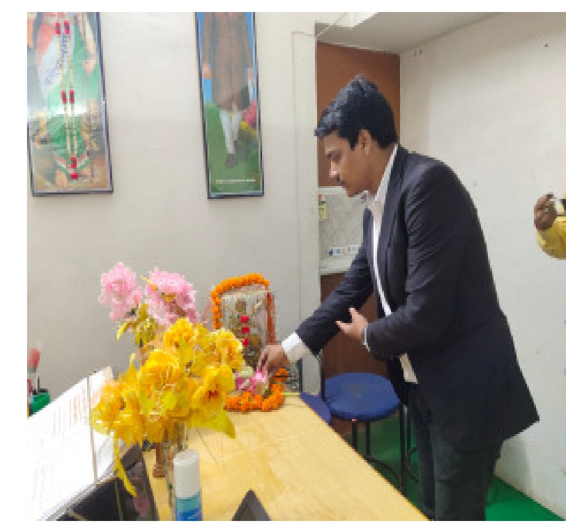

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

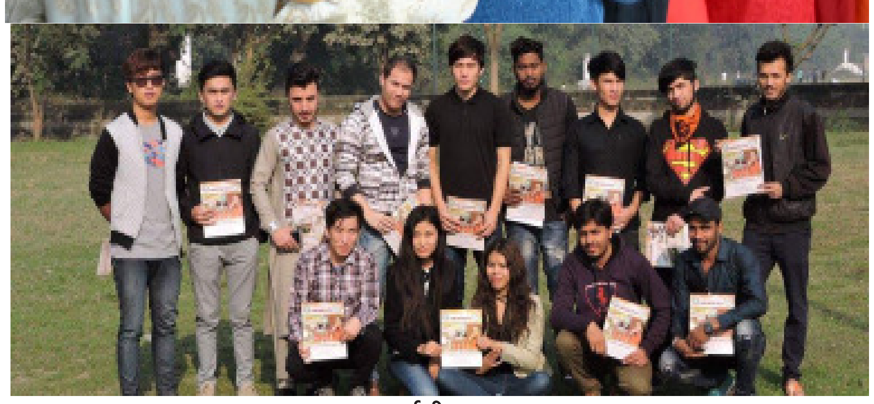

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र मे प्रस्तावित व्यवसायो मे अगस्त 2021मे प्रारम्भ होने वाले सत्र मे प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कन्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया मे प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय मे सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए

visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुल्सीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करें :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306060178, 9026359274